सुविचार

संसार में कोई भी मनुष्य सर्वगुण संपन्न नही होता है, इसलिए कुछ कमियों को, नजरंदाज कर रिश्ते बनाए रखिए

साप्ताहिक

युवा प्रदेश

Freedom Of Speech

RNI.NO. MPHIN/2015/76299

संपादक-नागेश नरवरिया

वर्ष 7, अंक-23 | www.yuvapradesh.in | भोपाल, शुक्रवार 15 जुलाई 2022 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ -8 | मूल्य 3 रुपये

Mother's Basket
Kitchen Herbs & Spices
Swad jo pahuche dil tak

मुख्यमंत्री ने की अभियान की तैयारियों की समीक्षा

बूस्टर डोज़ अभियान की विधिवत शुरूआत 21 जुलाई से:मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में आगामी 21 जुलाई से कोरोना नियंत्रण के लिए बूस्टर डोज़ टीकाकरण अभियान की विधिवत शुरूआत की जाएगी। यह अभियान 25 सितम्बर तक जारी रहेगा। हर 15 दिन में टीकाकरण के लिए महाअभियान भी चलाया जाएगा। अधिकाधिक पात्र व्यक्ति बूस्टर डोज़ लगवाकर अभियान को सफल बनाएँ। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज मंत्रालय में कोविड-19 बूस्टर डोज़ टीकाकरण अभियान की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ.प्रभुराम चौधरी, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य श्री मोहम्मद सुलेमान और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बूस्टर डोज़ लगाए जाने के लिए

योजनाबद्ध तरीके से तैयारी की जाए। उन्होंने कहा कि जिन व्यक्तियों को दोनों डोज़ लगे हुए 6 माह हो चुके हैं, उन्हें बूस्टर डोज़ लगवाने की पात्रता है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जिस प्रकार प्रदेश की जनता ने वैक्सीन का पहला और दूसरा डोज़ लगवाने में देश में रिकार्ड स्थापित किया था, उसी तरह इस अभियान को भी सफल बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाएँ। उन्होंने निर्देश दिए कि बूस्टर डोज़ लगवाने के लिए लोगों को जागरूक करने में कोई कमी नहीं रहने दी जाए। अधिकाधिक पात्र लोगों को बूस्टर डोज़ लगाया जाए। इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यह भी ध्यान रखें कि कोई भी पात्र व्यक्ति बूस्टर डोज़ लगवाने से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि अभियान में विभिन्न सामाजिक संगठनों, जन-प्रतिनिधियों, जन अभियान परिषद और क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटियों आदि को शामिल करते हुए जागरूकता बढ़ाने के प्रयास किए जाएँ।

विभिन्न प्रचार माध्यमों से जनता से अपील भी की जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेश में कोरोना की स्थिति की जानकारी भी ली। बताया गया कि प्रदेश में वर्तमान में 928 एक्टिव केस हैं। देश में मध्यप्रदेश अभी 22 वें स्थान पर है। कोरोना की टेस्टिंग लगातार हो रही है। जिस अनुपात में साप्ताहिक केस बढ़ रहे हैं उसी अनुपात में मरीज ठीक भी हो रहे हैं। वर्तमान में इंदौर, भोपाल, जबलपुर, सीहोर और ग्वालियर में ज्यादा प्रकरण आए हैं।

सिवनी में तेज बारिश के चलते सब्जी मंडी कॉम्प्लेक्स की 6 दुकानें धराशायी, लाखों का हुआ नुकसान

सिवनी। सिवनी में हुई तेज बारिश से जहां किसानों के चेहरों पर रोनक बढ़ी हैं। वहीं मुख्यालय में बुधवारी तालाब के पास बनी पुरानी थोक सब्जी मंडी कॉम्प्लेक्स की 6 दुकानें आज शुक्रवार को ढह गई। इस घटना में कोई जन हानि नहीं हुई है लेकिन दुकानों के क्षतिग्रस्त होने से और दुकानों में रखी अन्य सामग्री के तहस-नहस होने से दुकानदारों को लाखों का नुकसान हो गया। दुकानदारों के मुताबिक कमजोर हो रही दुकानों के बारे में नगर पालिका परिषद को सूचना दी गई थी। लेकिन सुधारीकरण का कार्य बरसात के पूर्व नहीं हो पाया। कॉम्प्लेक्स की अन्य दुकानों पर भी धराशायी होने का खतरा मंडरा रहा हैं।इसे देखते हुए अन्य व्यापारियों ने दुकानों में रखी सामग्री को बाहर निकालना शुरू कर दिया हैं। वहीं अधिकारियों को भी इसकी सूचना दे दी है।

इन दुकानों को हुआ नुकसान

यहां प्यारी चाय के दुकानदार लक्ष्मण जेहानि की दुकान गिर गई। वहीं हेयर मेंस पार्लर एंड गर्ल्स पार्लर गोपाल बंदेवार की दुकान, नूर मोहम्मद की इलेक्ट्रॉनिक की दो दुकानें व पप्पू चौरसिया की पान की दुकान धराशायी हो गई।

नगदी सहित सामग्री का हुआ नुकसान

इन दुकानों में रखे नगदी सहित अन्य सामान नष्ट हो गया है। दुकानदार नूर मोहम्मद ने बताया कि उनकी दो दुकानों में इलेक्ट्रॉनिक का काफी सामान भरा हुआ था। जिसमें एक दुकान में गोदाम का उपयोग किया जा रहा था।

युवा प्रदेश नेटवर्क की ओर से श्रीमती ज्योति सिंह चौहान जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

मप्र जनपद पंचायत चुनाव रिजल्टः

भोपाल, इंदौर में बीजेपी का कब्जा, अब तक 179 सीटों पर भाजपा, 76 पर कांग्रेस आगे

भोपाल। मध्यप्रदेश की जनपद पंचायतों के चुनाव नतीजे सामने आने लगे हैं। सभी 313 जनपद पंचायतों की काउंटिंग चल रही है। अभी तक जनपद बोर्ड के लिए 262 के परिणाम सामने आ गए हैं, जिनमें 179 में भाजपा समर्थित और 76 पर कांग्रेस समर्थित ने कब्जा जमा लिया है। वहीं, 7 पर अन्य ने बाजी मारी है। भोपाल की दोनों जनपद बैरसिया और फंदा में भाजपा का कब्जा हो गया है। वहीं, इंदौर में चार में से तीन में भाजपा का बोर्ड बनने जा रहा है। वहीं, सीएम शिवराज, गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के क्षेत्र में भाजपा एकतरफा फतह करने की ओर है। हालांकि सीहोर में इछावर में कांग्रेस जोर लगा रही है। बता दें कि पिछली बार 214 में भाजपा का कब्जा था। सीएम शिवराज के जिले सीहोर में पांच जनपद पंचायतों में चार में भाजपा तो एक में कांग्रेस लीड करती नजर आ रही है। यहां सीहोर, नसरुल्लागंज, इछावर, आष्टा और बुधनी में कांग्रेस खाता खोल सकती है। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के गढ़ दतिया की बात करें तो यहां कांग्रेस कुछ खास कमाल दिखाती नजर नहीं आ रही है। यहां दतिया, सेंवडा और भांडेर तीनों ही जनपद में भाजपा लीड कर रही है। छिंदवाड़ा और दिग्वियज सिंह के राघोगढ़ में कांग्रेस ने बाजी मारी है।

एनडीए की राष्ट्रपति पद की प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू तीन घंटे रहेंगी भोपाल में, भव्य स्वागत की तैयारी

भोपाल। एनडीए की राष्टपति पद की प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू शुक्रवार दोपहर बाद भोपाल आ रही हैं। इस दौरान वह तीन घंटे भोपाल में रहेंगी। स्टेट हैंगर पर उनके भव्य स्वागत की तैयारी की गई है। इस मौके पर आदिवासी लोक कलाकार परंपरागत तरीके से उनका स्वागत करेंगे। भाजपा कार्यकर्ताओं को भी बड़ी संख्या में दोपहर दो बजे स्टेट हैंगर बुलाया गया है। स्वागत कार्यक्रम के बाद वे मुख्यमंत्री आवास पहुंचेंगी। मुख्यमंत्री आवास में ही पार्टी के सांसदों और विधायकों की बैठक बुलाई गई है। शाम छह बजे वह नईदिल्ली लौट जाएंगी। उल्लेखनीय है कि राष्टपति पद के चुनाव के लिए 18 जुलाई को मतदान होना है। जिसमें सभी विधायक और सांसद मतदान करेंगे। मुर्मू की यात्रा इसी के मद्देनजर है। राष्टपति चुनाव के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने झारखंड संवर्ग के आइएएस अधिकारी सतेन्द्र सिंह को मध्य प्रदेश के लिए पर्यवेक्षक बनाया है। वे यह सुनिश्चित करेंगे कि निष्पक्ष और स्वतंत्र

चुनाव हो। विधानसभा के प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि केंद्रीय पर्यवेक्षक शनिवार को भोपाल पहुंचेंगे। वे यहां मतपेटी और निर्वाचन सामग्री की सुरक्षा और परिवहन के लिए की गई निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं का निरीक्षण करेंगे। मतदान के अगले दिन मंगलवार को दिल्ली जाएंगे।

बिकलांग बालक के साथ किसी भी प्रकार का अत्याचार करना कितना गंभीर अपराध होगा जानिए/JJ Act,2015

किशोर न्याय(बालको की देख-रेख और संरक्षण) अधिनियम,2015 किशोरी बालक के सम्पूर्ण संरक्षण करने के लिए बनाया गया एक महत्वपूर्ण अधिनियम हैं जिसमे सभी प्रकार के बालको की सुरक्षा एवं संरक्षण किया जाता है, अगर कोई बालक निःशक्त हैं और किसी भी प्रकार का अत्याचार उस पर किया जाता है तब अत्याचार करने वाले व्यक्ति को क्या दण्ड का प्रावधान होगा जानिए।

किशोर न्याय(बालको की देख रेख एवं संरक्षण) अधिनियम,2015 की धारा 85 की परिभाषा?

ऐसा कोई किशोर बालक जो किसी डॉक्टर द्वारा या मेडिकल परीक्षण द्वारा निःशक्त रूप से प्रमाणित किया हो, तब ऐसे बालक को कोई शारीरिक दण्ड देगा, भीख मंगवाएगा, नशीले पदार्थ का सेवन कराएगा, शराब की दुकान या बियर-बार काम करवाएगा, शोषण करेगा आदि तब ऐसे व्यक्ति को धार 85 के अंतर्गत दोषी ठहराया जाएगा।

दण्ड का प्रावधान- यह अपराध पूर्ण तरह संज्ञेय एवं अजमानतीय अपराध हैं, इस अपराध की सुनवाई प्रथम श्रेणी के न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा की जाती है। सजा इस अपराध के लिए सामान्य बालक पर अत्याचार करने पर जो दण्ड का प्रावधान हैं उसके दण्ड से दुगना दण्ड दिया जाएगा।

अर्थात बाल कर्मचारी के शोषण करने पर पांच वर्ष की कारावास एवं एक लाख रुपए के जुर्माने से दण्डित किया जाता है अगर यही अपराध निःशक्त बाल कर्मचारी के साथ किया जाए तो अधिकतम दस वर्ष की कारावास और दो लाख रुपए का दंड का प्रावधान होगा।

लेखिका श्रीमती ज्योति सिंह चौहान(महिला सामाजिक कार्यकर्ता एवं जिला ब्यूरो चीफ अलीगढ़ उत्तर प्रदेश)।

शराब पीकर वाहन चलाना कितना मंहगा साबित हो सकता है जानिए/MV Act,1988

बहुत से लोगो की आदत होती है कि वह शराब के नशे में वाहन चलाते हैं, अगर हम बात करे ड्राइवर लाइन की तो बहुत से ड्राइवर नशे के बगैर वाहन चलाते ही नहीं है और ऐसे चालक के कारण आए दिन गंभीर हादसा होते रहते हैं। अगर कोई वह किसी भी प्रकार का नशा करके किसी भी प्रकार का वाहन चलाता है तब ऐसे व्यक्ति के खिलाफ क्या कार्यवाही हो सकती है जानिए।

मोटर यान अधिनियम,1988 की धारा 185 की परिभाषा-

जो कोई व्यक्ति किसी मोटर यान को चलाते समय या चलाने का प्रत्यन करते समय व्यक्ति के शरीर में शराब के कारण 30 मिमीग्राम से अधिक एल्कोहल पाया जाता है। या किसी प्रकार से अफीम, गांजा, ड्राक्स आदि का नशा शरीर में पाया जाता है। तब ऐसे व्यक्ति को अधिनियम को धारा 185 के अंतर्गत प्रथम बार दोषसिद्ध होने पर अधिकतम छः माह की कारावास या दस हजार रुपए जुर्माना या दोनों से दण्डित किया जा सकता है। अगर यही अपराध व्यक्ति दुवारा करता है तब अधित्तकम 2 वर्ष की कारावास या पंद्रह हजार रुपये जुर्माना या दोनो से दण्डित किया जा सकता है।

नोट- उपर्युक्त धारा के अंतर्गत शराब पीकर वाहन चलाने मात्र पर दण्डित करने का प्रावधान होगा किसी भी प्रकार की दुर्घटना होने आवश्यक नहीं है।

- लेखक बीआर अहिरवार(पत्रकार एवं लॉ छात्र होशंगाबाद) 9827737665

विक्रम चौधरी जी को राष्ट्रीय सदस्य बनाने की हार्दिक शुभकामनाएंः मूलचन्द मेधोनिया

मूलचन्द मेधोनिया प्रखर न्यूज एजेंसी भोपाल मोबाइल 8878054839

भोपाल। अनुसूचित जाति वर्ग के जागरूक और जानेमाने समाज सेवी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री विक्रम चौधरी जी को सतगुरु रविदास कल्याण फाउंडेशन भारत के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य बनाये जाने की शुभकामनाएं समूची रविदास वंशीय समाज के बुद्धिजीवियों की ओर से दी जा रही है। उल्लेखनीय है कि श्री चौधरी परिवार मूलतः नरसिंहपुर जिले के है और उनके माता-पिता के द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के लिए अनगिनत सामाजिक कार्य किए हैं। जो कि रविदास वंशीय समाज के लिए अनुकरणीय व सम्मान प्राप्त करने योग्य है। सतगुरु रविदास कल्याण फाउंडेशन भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री महेश नंदमेहर जी के द्वारा श्री विक्रम चौधरी जी जैसे सक्रिय समाजसेवी और निष्पक्ष निष्ठावान व्यक्ति को सतगुरु रविदास कल्याण फाउंडेशन भारत के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य बनाने के लिए जो सराहनीय कदम उठाए हैं वह बहुत ही सराहनीय है। श्री विक्रम चौधरी जी को सतगुरु रविदास कल्याण फाउंडेशन भारत का कार्यकारी सदस्य बनाये जाने पर श्री महेश नंदमेहर जी का हृदय से आभार एवं श्री चौधरी जी को नरसिंहपुर जिले के रविदास वंशीय अहिरवार जाटव समाज सहित अनुसूचित जाति वर्ग की ओर से बधाई देने वाले सर्व श्री मूलचन्द मेधोनिया जी,कौशल अहिरवार, चन्दभान खेमरे, भगवानदास अहिरवार, भगवती प्रसाद जाटव, कमलेश कुमार अहिरवार, लक्ष्मण अहिरवार, सी बी खेमरे, भरत जाटव, लेख राम अहिरवार, इत्यादि रविदास वंशीय समाज के बुद्धिजीवियों की ओर से श्री विक्रम चौधरी जी को राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य बनाये जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं संप्रेषित है।

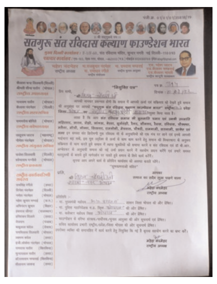
सतगुरु संत रविदास कल्याण फाउण्डेशन भारत

गुरु पूर्णिमा पर पूज्य भन्ते सागर जी ने मानवतावादी मैत्री, करुणा और दया पर प्रवचन देकर भाईचारा का दिया पैगाम

मूलचन्द मेधोनिया प्रखर न्यूज एजेंसी भोपाल मोबाइल 8878054839

भोपाल। प्रति वर्ष आषाढ़ मास के दिन गुरु पूर्णिमा मनाने का सभी धर्मो में अपना - अपना महत्व है। ठीक इसी प्रकार बौद्ध धर्म के भगवान गौतमबुद्ध जी का आषाढ़ मास के दिन का बड़ा महत्व है। यह बात भोपाल स्थिति चूना भट्टी कोलार रोड बौद्ध बिहार के पूज्य भन्ते सागर जी बौद्ध धर्म गुरु ने अपने प्रवचनों के माध्यम से बताई।

उन्होंने बताया कि गुरु पूर्णिमा जो कि बौद्ध धर्म में आषाढ़ मास पर्व के रूप में मनाई जाती है। करुणा के सागर दुनिया में अत्त दीपो भव के संदेशवाहक एवं सम्पूर्ण विश्व में मैत्री,दया और करुणा के पाठ पढ़ाने वाले भगवान बुद्ध जी ही हुये है। जिन्होंने सत्य मार्ग दर्शन देकर मैत्री भाव जाग्रत किया है। पूज्य भन्ते सागर जी ने अपने प्रवचनों में मानवता और एकता सद्भावना से रहने के संदेश दिये। बौद्ध बिहार में सैकड़ों की

संख्या में उपासक और उपासिकाओं पधारे जिन्होंने भोजन दान कराया। जो कि सभी सम्मानित लोगों के द्वारा ग्रहण किया गया। महिलाओं ने अपने - अपने घरों से पका हुआ भोजन लाकर सैकड़ों की संख्या में लोगों को कराया गया।

आषाढ़ मास की गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर आयोजित कार्यक्रम में मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेता एवं कांग्रेस अनुसूचित जाति प्रदेश संयोजक श्री विक्रम चौधरी जी,भोपाल अनुसूचित जाति कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष मूलचन्द मेधोनिया एवं भोपाल के सम्मानित समाजसेवी श्री कैलाश बल्ले जी भोपाल नगर निगम वार्ड क्रमांक 1 से निर्दलीय प्रत्याशी और बौद्ध धर्म के अनुयायियों की भारी उपस्थिति में गुरु पूर्णिमा पर्व मनाया गया। पूज्य भन्ते सागर जी के संदेश और प्रवचनों का सभी ने लाभ उठाया। इस सुअवसर पर पूज्य भन्ते जी ने सभी को मंगलकामनाएं दी और सभी के परिवार में सुख शांति रहे निरोगी हो का मंगल पाठ करके सभी को हार्दिक शुभकामनायें दी।

सामाजिक संगठनों के प्रमुखों की हुई परिचर्चा

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार भोपाल मोबाइल 8878054839

भोपाल। सामाजिक संगठनों के सम्मानित प्रमुखों की एम. पी. नगर भोपाल में एक आवश्यक बैठक चाय पर चर्चा को लेकर हुई। जिसमें आज के वर्तमान समय में हर वर्ग, समुदाय के साथ एवं उनके परिवार के साथ अन्याय व पक्षपात की घटनाएं न सिर्फ प्रशासन बल्कि सरकार के द्वारा अनदेखी व सामाजिक विकास की कोई ठोस योजना और नीति न होने के कारण सभी परेशानियों का सामना कर रहे है। उक्त बिषय पर ÷चाय पर चर्चा÷ हो और विभिन्न सामाजिक सरोकारों के संगठनों के साथ काम किया जाये। तथा आमजन को सुविधा एवं सरकारी विभागों में हर वर्ग के साथ न्याय सुलभ हो। ऐसी विचारधारा को लेकर सामाजिक संगठनों के प्रमुखों में श्री बलवान सिंह कुशवाहा जी प्रदेश अध्यक्ष सरपंच उपसरपंच पंच कल्याण समिति मध्यप्रदेश, अहिरवार समाज संघ प्रदेश अध्यक्ष श्री राजेश अहिरवार जी, श्री मूलचन्द मेधोनिया जी प्रदेश मीडिया प्रभारी संत रविदास कल्याण फाउंडेशन भारत, श्री बद्रीप्रसाद शर्मा अध्यक्ष मध्यप्रदेश ठेका निर्माण मजदूर संघ सीधी मध्यप्रदेश, भारतीय गणराज्य पार्टी के संस्थापक सदस्य

श्री राजाराम जी भोपाल, श्री सतीश गौतम जी (मूक-बधिर) मध्यप्रदेश मूक बधिर कल्याण संगठन भोपाल एवं श्री सतीश अहिरवार समाजसेवी होशंगाबाद की गरिमामयी उपस्थित में आवश्यक बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में तय हुआ कि सभी समुदायों को साथ लेकर सामाजिक विकास की दिशा में काम किया जाये। तथा जहां भी अन्याय या भेद-भाव हो उसके खिलाफ आवाज बुलंद की जाये। सरकार की योजना जो भी गरीब व वंचितों के कल्याण के लिए बनी हुई है उन पर निगरानी रखने की जरूरत है। समाज के विभिन्न प्रतिनिधियों की या बैठक अनेक मायने में महत्वपूर्ण है। आज सामाजिक लोगों में कुछ लोगों के द्वारा ऐसी स्थिति उत्पन्न की है कि सामाजिक सौहार्द और प्रेम भावना दिखाई नहीं दे रही है। इसी उद्देश्य को लेकर विभिन्न सामाजिक संगठनों के बैठक हुई। जिसमें अनुसूचित जाति के वीर शहीद मनीराम जी अहिरवार के सुपौत्र मूलचन्द मेधोनिया ने प्रदेश तमाम सामाजिक संगठनों से अपील की है कि जो भी मानवतावादी एवं देश हित समाज हित की सोच वाले संगठन है। वह सभी साथ आये और वर्तमान परिस्थिति को देखते हुए संघर्ष करने के लिए अपने संगठन और बेनर के साथ ही एकजुट होकर आगे आये। श्री मूलचन्द मेधोनिया जी ने अपील कर अपना सम्पर्क नंबर मोबाइल 8878054839 देते हुए अपील की है कि सम्पर्क साथ आये। सभी सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के लिए भोपाल में शीघ्र एक कार्यालय सौपा जा रहा है। जहां बैठकर गरीब व उपेक्षित वर्ग की सेवा की जायेगी।

,,, रिस्तो की डोर एक बहन की,,,

जरा सी देर की झूठी चमक के लिए,
कभी रिस्तो का सौदा किया नही मैने

तेरी खुशी हजारों मुश्किलें के लिए
कभी रिस्तो में आग लगाई नही मैने

एक तस्वीर है जो रिस्तो के लिऐ
भरोसे ओर भावना को धोका दिया नही मैने

मेरे माता पिता के नाम के लिऐ
कभी जख्म गहरे किये नही मैने

मेरा आँगन तेरी कलाई के लिए
कभी अशुओ से मंहगे उपहार मांगे नही मैने

झूटी चाहत दिखाबे के लिऐ
खुशी के लिए रिस्तो पर प्रहार किया नही मैने

चालाकियों के चेहरों पर नकाब लिये
जख्मो की भाबनाओ को आईना दिखाया नही मैन

चुप का मतलब ये नही की हदे भूलने के लिए
इसलिए तो रिस्तो की डोर टोरी नही मैने

स्वतंत्र तो में भी थी बोलने लिए
रिस्तो में में छोटी थी इसलिए कुछ कहा नही मैने

-मोहन मांढरे विदिशा

वनविभाग के पकड़ी लाखों की ईमारती लकड़ी

बाड़ी। बुधवार की सुबह वन विभाग की टीम ने भैसाया ग्राम में ज्वाला प्रसाद विश्वकर्मा व वीरेन्द्र विश्वकर्मा के घर पर धावा बोला और ज्वाला प्रसाद विश्वकर्मा के घर से 57 नग चरपट व वीरेन्द्र विश्वकर्मा के घर से 30 नग ईमारती लकड़ी से बनी चरपटें व तीस नग बने दरवाजे जब्त की कार्रवाई की है। बताया कि यह कार्रवाई मुखबिर की सूचना पर कि लकड़ी अधिक होने से बाड़ी से ही एक पिकअप किराए पर बुलाकर वन विभाग लाई गई। यह जानकारी वन विभाग के रेंजर तिलक सिंह रायपुरिया ने दी। जैसे ही हमें इस कार्रवाई की जानकारी मिली तो हमने अपने साथी को वन विभाग भेजकर वीडियो फोटो लाने को कहा, लेकिन उसे वन विभाग के रेंजर ने फोटो वीडियो लेने से मना कर दिया। फिर हमारी टीम वन विभाग पहुंची और रेंजर से चर्चा की। उन्होंने भी जानकारी और फोटो देने से मना करते हुए कहा कि आप यह जानकारी एसडीओ से लें। जब उन्हें उनकी मनमानी पर सवाल किए तो वह फोटो और वीडियो बनाने पर राजी हुए। लेकिन पिकअप की फोटो लेने से मना करते हुए कहते रहे यह हम किराए पर लेकर गए थे। वन विभाग ने यह पिकअप रास्ते से पकड़ी जो भैसाया से अमरावदकलां जा रही थी। अमरावदकलां में इमारती लकड़ियों से बने सोफा सेट पलंग मसहरी व अन्य साजो सामान क्षेत्र में अधिक मात्रा में बनाकर बेचे जाते हैं। देखा जाता है कि वन विभाग अक्सर जानकारी देने से परहेज करता है।

वर्षा का पानी निकासी नहीं होने पर जलमग्न हो जाती है सड़क

दीवानगंज। सरार से लेकर सेमरी मार्ग तक पुलिया नहीं बनाई है। तेज वर्षा होने के कारण सड़क पर पानी भर जाता है। जिससे यहां पर आवागमन करने वाले लोगों को काफी परेशानी होती है। जरूरी कार्य से आवागमन करने वाले लोग सड़क पर कमर तक भरे पानी में से निकलते हैं। यहां पर सड़क निर्माण के दौरान ठेकेदार ने लापरवाही बरती है। इस मार्ग एक नाला पड़ता है। इस नाले पर ठेकेदार ने पुलिया न बनाकर रपटा बना दिया है। जब वर्षा ज्यादा हो जाती है तो रपटा के ऊपर से पानी बहने लगता है। जिससे चार गांवों का संपर्क भोपाल- विदिशा मुख्य मार्ग से कट जाता है। बावजूद चार गांवों के लोग अपनी जान जोखिम में डालकर नाला पार करते हैं। अगर कोई व्यक्ति अकेला नाला पार करने की कोशिश करता है तो उसे डर लगने लगता है। लोग इकट्ठा होकर नाला पार करते हैं ताकि एक दूसरे के सहारे से नाला पार हो सके। वर्षा के समय में ऐसी स्थिति कई बार बनती है। ग्रामीणों का कहना है कि ठेकेदार से रोड पर पुलिया बनाने को कहा गया था। ठेकेदार ने एक भी ग्रामीणों की नहीं सुनी। जिससे हम लोग परेशान हो रहे हैं। अक्सर रपटा के ऊपर वर्षा का पानी बहता रहता है। जिससे हम लोग बीमार व्यक्ति को अस्पताल नहीं ले जा पाते। जब तक पानी कम नहीं होता हम वहीं पर बैठकर पानी कम होने का इंतजार करते हैं। पानी कम हो जाता है तो हम उस पार जा पाते हैं।

भाजपा युवा मोर्चा की कार्यसमिति बैठक हुई संपन्न

मनेंद्रगढ़। भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष कृष्ण बिहारी जयसवाल के मार्गदर्शन पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अमित साहू के निर्देशानुसार, भाजयुमो जिलाध्यक्ष अंचल किशोर राजवाड़े के आह्वान पर भाजपा मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र पटवा के सहमति से एवं मनेंद्रगढ़ मंडल प्रभारी मनोज शुक्ला के प्रभार में भारतीय जनता युवा मोर्चा मंडल मंडल की कार्यसमिति की बैठक भाजयुमो मंडल अध्यक्ष मंडल अखिलेश मिश्रा के नेतृत्व में संपन्न हुई7 सर्वप्रथम सभी मंचासीन अतिथियों के द्वारा भारत माता की छाया चित्र पर दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कार्यक्रम में उपस्थित सभी वरिष्ठ जनों का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। भाजयुमो मंडल अध्यक्ष अखिलेश मिश्रा ने अपने वक्तव्य में कहा कि सभी युवा साथियों को मिलकर कांग्रेस की जन विरोधी नीतियों पर जमकर विरोध प्रदर्शन करना है। चाहे गौठान हो, चाहे युवाओं का बेरोजगारी भत्ता ना देना, यह सरकार झूठे वादों के आधार पर एक बार गलती से सत्ता में जरूर आ गई है लेकिन आज पूरी जनता कांग्रेस से रुष्ट हो चुकी है एवं लोग अपने आप को ठगा सा महसूस कर रहे हैं। कांग्रेस की इस भ्रष्ट सरकार को उखाड़ फेंकने में सहयोग दें आने वाला समय भाजपा का है एवं आप सभी साथियों का है आप सभी की मौजूदगी इतनी बड़ी संख्या में देखकर मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में भाजपा युवा मोर्चा पूरे दमखम के साथ कार्य करेगी। आपको बता दें कि अखिलेश मिश्रा पहले बजरंग दल में मनेंद्रगढ़ के प्रखंड संयोजक से लेकर कोरिया जिले के सह-संयोजक एवं सरगुजा विभाग बजरंग दल के संयोजक का दायित्व एवं भाजपा के विभिन्न पदों का निर्वहन कर चुके है।बैठक का मंच संचालन भाजयुमो मंडल महामंत्री इवनीष खनूजा द्वारा किया गया। इवनीष खनूजा ने कहा कि अखिलेश मिश्रा के मंडल अध्यक्ष बनने से युवाओं में एवं भाजपा युवा मोर्चा में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ है

मनेंद्रगढ़ के सभी 22 बूथों पर 20 यूथ जोड़ने का लक्ष्य

जिसका नतीजा आज का यह भरा हुआ हॉल देखकर समझा जा सकता है, आने वाले समय में उनके नेतृत्व में भाजयुमो मनेंद्रगढ़ मंडल पूरे जिले में सबसे अच्छा कार्य करके दिखाएगी, मेरा ऐसा पूर्ण विश्वास है। बैठक में मुख्य रूप से भाजपा के वरिष्ठ जेके सिंह, मनेंद्रगढ़ मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र पटवा, भाजयुमो मंडल प्रभारी मनोज शुक्ला, भाजपा जिलाध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा अंकुर जैन, महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रवीण सिंह, भाजयुमो प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रूबी पासी, भाजपा मंडल महामंत्री रामचरित द्विवेदी, विधानसभा संयोजक आईटी सेल एवं मछुआरा प्रकोष्ठ जिला संयोजक आनंद ताम्रकार, मनेन्द्रगढ़ मंडल मंत्री प्रमोद बंसल, भाजयुमो जिला मंत्री कोमल पटेल, भाजपा किसान मोर्चा कोषाध्यक्ष आशीष मजूमदार, भाजयुमो महामंत्री इवनीश खनूजा एवं आशीष सोनी, बृज किशोर सिंह, हर्ष चौहान, गणेश सिंह, अंकित भोजवानी, आशीष सोनकर, गुरु प्रसाद खटीक, रिंकू यादव, प्रखर जयसवाल, दीपक सिंह, प्रशांत तिवारी, प्रवीण, भरत दुबे आदि युवा बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आरटीई के तहत 34 हजार बच्चे निजी स्कूलों में प्रवेश से वंचित, दूसरी लाटरी में होंगे शामिल

भोपाल। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत निजी स्कूलों में 25 प्रतिशत सीटों पर प्रवेश के लिए गुरुवार को आनलाइन लाटरी निकाली गई। इस सत्र के लिए प्रदेश के 26 हजार 666 निजी स्कूलों में दो लाख 78 हजार 130 सीटों के लिए दो लाख 1252 आवेदन आए थे। इनमें एक लाख 73 हजार 725 विद्यार्थी पात्र थे। इसमें से आनलाइन लाटरी के माध्यम से एक लाख 39 हजार 725 बच्चों को प्रवेश मिला है, जबकि 34 हजार बच्चे प्रवेश से वंचित हो गए। अब ये दूसरी बार लाटरी प्रक्रिया में शामिल होंगे। अधिकारियों का कहना है कि अभिभावक बड़े स्कूलों का नाम अधिक आवेदन कर देते हैं। आरटीई के तहत हर साल प्रवेशित विद्यार्थियों की संख्या में कमी आ रही है। इसका कारण यह है कि बड़े स्कूल आरटीई के दायरे से बाहर हैं। वहीं छोटे निजी स्कूल पोर्टल पर प्रदर्शित हो रहे हैं। पोर्टल पर बड़े निजी स्कूलों का नाम नहीं होने के कारण अभिभावक अपने बच्चों को प्रवेश दिलाने से बच रहे हैं। हर साल करीब एक से डेढ़ लाख ही बच्चे आरटीई के तहत प्रवेश ले रहे हैं, जबकि स्कूलों में लगभग ढाई से तीन लाख सीटें आवंटित की जाती है। आनलाइन लाटरी के माध्यम से बच्चों को निजी स्कूलों में सीटें आवंटित की दी गई। अभिभावकों के पंजीकृत मोबाइल पर आवंटित स्कूलों के नाम की सूचना भेज दी गई। पात्र विद्यार्थी स्कूलों में जाकर 23 जुलाई तक प्रवेश ले सकेंगे। पहले चरण में जिन आवेदकों का नाम नहीं आएगा। वे दूसरे चरण के लाटरी प्रक्रिया में शामिल होंगे। बता दें, कि पिछले वर्ष दो लाख 84 हजार सीटों के लिए एक लाख 99 हजार आवेद

मूंग खरीद के लिए 18 जुलाई से शुरू होगा रजिस्ट्रेशन

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश में किसानों ने मेहनत से ग्रीष्मकालीन मूंग पैदा की है। मूंग के दाम बाजार में समर्थन मूल्य से काफी कम है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों की बेहतरी के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है, यह किसानों की सरकार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह फैसला लिया गया है कि हम अपने किसानों को न्याय देंगे और उनकी मूंग, न्यूनतम समर्थन मूल्य 7 हजार 275 रूपए प्रति क्विंटल की दर पर खरीदी जाएगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मूंग खरीद के लिए राज्य सरकार 18 जुलाई से रजिस्ट्रेशन प्रारंभ कर रही है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास कार्यालय से मीडिया के लिए जारी संदेश में यह बात कही।न आए थे, जबकि एक लाख 29 हजार प्रवेश हुए थे।

कृषि और किसान केंद्रित रही हैं मोदी सरकार की नीतियाँः मंत्री श्री पटेल

- बेंगलुरू में कृषि मंत्रियों के दो दिवसीय सम्मेलन में किया संबोधित

भोपाल। किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने कहा है कि देश में पहली बार कृषि और किसान केन्द्रित नीतियाँ मोदी सरकार के नेतृत्व में बनाई और क्रियान्वित की जा रही है। मंत्री श्री पटेल बेंगलुरु में कृषि मंत्रियों के दो दिवसीय राष्टीय सम्मेलन में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार नीतिगत फैसले लेकर किसानों और देश को आत्म-निर्भर बनाने के लिए कार्य कर रही है। सम्मेलन केंद्रीय कृषि मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर के मुख्य अतिथि में प्रारंभ हुआ है। कृषि मंत्री श्री पटेल ने कहा कि आजादी के बाद पहली बार देश में किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण और उन्हें आत्म-निर्भर बनाने के लिए न केवल बेहतर नीतियाँ बनाई गई बल्कि उन्हें क्रियान्वित भी किया गया है। इसी का परिणाम है अब धीरे-धीरे खेती लाभ का धंधा बनने लगी है। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि कृषि और किसान को समृद्ध बनाने की दिशा में ठोस काम की शुरूआत तब हुई जब श्री अटल बिहारी वाजपेई प्रधानमंत्री बने। अब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कृषि क्षेत्र पर फोकस किया और कृषि को लाभ का धंधा बनाने की दिशा में काम किये हैं। किसानों की आय को दोगुना करने के लिए उन्होंने अभिनव प्रयोग शुरू किए जो सफल भी रहे हैं।

राज्य स्तरीय यूथ महापंचायत 23 एवं 24 जुलाई को

युवाओं में नेतृत्व विकास की दिशा में कोई कमी नहीं रहेः मुख्यमंत्री श्री चौहान

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने की यूथ महापंचायत की तैयारियों की समीक्षा

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि युवाओं में नेतृत्व का विकास करने की दिशा में यूथ महापंचायत का आयोजन किया जा रहा है। इसके सार्थक परिणाम लाने के लिए कोई कमी नहीं रहने दी जाए। नए विचारों एवं सुझावों से इस दिशा में कार्य किया जाए। युवा स्टार्ट अप की विभिन्न गतिविधियों से भी जुड़ सकें इसके लिए प्रयास किए जाएँ। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज मंत्रालय में राज्य स्तरीय यूथ महापंचायत की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आत्म-निर्भर एवं स्वर्णिम मध्यप्रदेश के निर्माण में युवाओं की सहभागिता अधिकाधिक हो। उन्होंने यूथ महापंचायत में अधिक से अधिक युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि यूथ महापंचायत का उद्देश्य शहीद चंद्रशेखर आजाद की विरासत को आगे बढ़ाते हुए मध्यप्रदेश के उत्साही युवाओं को साथ लाकर एक मंच प्रदान करना है, जिससे वे राज्य, देश और दुनिया की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक चुनौतियों की पहचान कर हरसंभव समाधान सुझाएँ। प्रत्येक जिले से चुने गए आदर्श युवा प्रतिनिधियों और उनके संरक्षकों के पारस्परिक संवाद के इस दो दिवसीय आयोजन से आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के विजन में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास होगा। साथ ही युवाओं में नेतृत्व कौशल भी विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेश के युवा बेटे-बेटियों से प्रदेश के गौरव शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर होने वाली राज्य स्तरीय ÷यूथ महा पंचायत में भाग लेकर राष्ट और समाज की उन्नति में सहभागी बनने का आहवान किया है। उन्होंने युवाओं से कहा कि अपनी योग्यता का उपयोग कर आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण में सहभागी बनें। संचालक खेल एवं युवा कल्याण श्री रवि गुप्ता ने बताया कि शहीद चंद्रशेखर आजाद की 116वीं जयंती पर भोपाल में आगामी 23 एवं 24 जुलाई को राज्य स्तरीय यूथ महापंचायत होगी। सभी जिलों में होने वाली यूथ पंचायत से चयनित आदर्श युवा और उनके प्रेरक शामिल होंगे। इसके रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 15 जुलाई है। इसके बाद प्रतिभागियों के चयन के लिए स्क्रीनिंग की जाएगी।

बीसीएलएल द्वारा दो चालकों को किया निलम्बित

मार्ग टीआर-1 पर दोनों चालक एक-दूसरे को कर रहे थे ओवरटेक

युवा प्रदेश ■ भोपाल

दिनांक 03/07/2022 को मार्ग टीआर-1 की बस क्रं. एमपी04पीए-4064 के चालक श्री मशकूर खान एवं बस क्रं. एमपी04पीए-4124 के चालक श्री इरशाद खान के द्वारा लापरवाहीपूर्वक बस संचालन करते हुये एक-दूसरे को ओवरटेक करते हुये पाये गये, शिसके संबंध में एक अतुल समाधिया द्वारा फेसबुक पर पोस्ट कर शिकायत की गई थी, उक्त शिकायत की शांच उपरांत इसकी पुष्टि आईटीएस से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर की गई। बी.सी.एल.एल. अंतर्गत अधिकृत बस ऑपरेटर मेसर्स माँ एसोसियेट्स के चालकों द्वारा इस प्रकार लापरवाहीपूर्वक बस संचालन किये शाने से बसों में बैठे यात्रियों के साथ-साथ अन्य लोगों को भी शान व माल की हानि को दृष्टिगत रखते हुये दोनो चालक श्री मशकूर खान एवं श्री इरशाद खान को तत्काल प्रभाव से आगामी आदेश तक निलम्बित करने हेतु संबंधित बस ऑपरेटर को पत्र शारी किया गया। भोपाल सिटी लिंक लिमि. द्वारा भोपाल नगर में शनहितार्थ संचालित नगरीय बसों का संचालन किया शा रहा है। इन बसों के माध्यम से भोपाल नगर के यात्रियों को लोक परिवहन की सुरक्षित एवं सुविधाशनक सेवा विभिन्न 17 मार्गो पर 239 बसों के द्वारा प्रदान की शा रही है। शिसमें रोशाना लगभग एक लाख से अधिक यात्री लाभान्वित हो रहे है। भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड द्वारा बस संचालन के दौरान किसी भी प्रकार के सुझाव/शिकायत/सूचना हेतु आई.एस.बी.टी. स्थित कॉल सेन्टर नम्बर 9752399966 पर संपर्क सकते है। विदित हो कि कॉल सेन्टर में प्राप्त शिकायतों पर निरंतर कार्यवाही/निराकरण किया शाता रहा है। इसके साथ-साथ कॉल सेंटर पर यात्रियों के द्वारा प्राप्त सूचनाओं शैसे पर्स, मोबाईल, लगेश, स्कूल बेग, छाता, महत्वपूर्ण डाक्यूमेंट कपड़े इत्यादि सामानों की छुटने या गुम हो शाने पर तत्काल चालक परिचलक से संपर्क कर यात्रियों द्वारा कॉल सेंटर पर दी गई शानकारी अनुसार एवं समान की पुष्टी कर सामान को लोटाया शाता रहा है। भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड, का एकमात्र लक्ष्य शहर के यात्रियों को सुरक्षित एवं सुविधाशनक परिवहन सेवा उपलब्ध कराना है। इस हेतु हम पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। साथ ही बी.सी.एल.एल. भोपाल शहरवासियों से अनुरोध करता है कि सफर करते वक्त अपना टिकट कन्डेक्टर से अवष्य लेवें, ये आपका अधिकार।

पीटीसी का मुनाफा मार्च में बढकर 155.89 करोड़ हुआ

नई दिल्ली। पीटीसी का मुनाफा मार्च, 2022 को समाप्त तिमाही में दोगुना से अधिक होकर 155.89 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इससे पूर्व वित्त वर्ष 2021-22 की इसी तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 63.35 करोड़ रुपए था। पीटीसी इंडिया की कुल आय जून, 2022 को समाप्त तिमाही में घटकर 2,833.34 करोड़ रुपए रही जो एक साल पहले इसी तिमाही में 3,595.63 करोड़ रुपए थी। पूरे वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी का एकल आधार पर शुद्ध लाभ बढ़कर 424.81 करोड़ रुपए रहा जो 2020-21 में 410.25 करोड़ रुपए था। हालांकि कुल आय आलोच्य वित्त वर्ष में घटकर 15,637.62 करोड़ रुपए रही जो इससे पूर्व वित्त वर्ष 2020-21 में 16,992.03 करोड़ रुपए थी।

फसल बीमा के लिये बैंकों को निर्देश जारी, फसल में परिवर्तन की सूचना 29 जुलाई तक दें बैंकों को

भोपाल। *प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में वर्ष 2022-23 में खरीफ और रबी के लिये किसानों की अधिसूचित फसलों का बीमा कराने क्लस्टरवार निर्धारित बीमा कम्पनियों को कार्यादेश जारी कर दिये गये हैं। किसानों द्वारा बोई गई फसल में परिवर्तन पर संबंधित बैंकों को 29 जुलाई तक अवगत कराना जरूरी है। किसानों की अधिसूचित फसलों का बीमा करने के लिये बैंकों द्वारा प्रीमियम नामे किये जाने की अंतिम तिथि 31 जुलाई है। अपर संचालक फसल बीमा ने बताया कि किसानों को बीमांकन की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2022 से दो दिन पहले 29 जुलाई तक संबंधित बैंक से सम्पर्क कर बोई गई वास्तविक फसल की जानकारी अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराना होगी।*

एनसीआईपी पर भू-अभिलेख एकीकरण का कार्य जारी

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना खरीफ-2022 के लिये प्रदेश में नेशनल क्रॉप इंश्योरेंस पोर्टल (एनसीआईपी) पर भू-अभिलेख के एकीकरण का कार्य किया जा रहा है। पंजीयन के समय कृषक की भूमिधारिता संबंधी जानकारी भू-अभिलेख के आधार पर पोर्टल में ड्रॉप-डाउन पर उपलब्ध हो सकेगी। बीमाकर्ता (बैंकर्स, कॉमन सर्विस सेंटर और स्वयं कृषक) संगत खसरा नम्बर का चयन कर धारित भूमि का बीमा कर सकेगा।

बीमा पॉलिसी के लिये एनसीआईपी पर जानकारी दर्ज होना जरूरी

किसानों को समय पर सही पॉलिसी जारी करने के लिये नेशनल क्रॉप इंश्योरेस पोर्टल (एनसीआई) पर जानकारी दर्ज होना जरूरी है। बैंकों को निर्देश दिये गये हैं कि किसानों के बीमा पंजीयन के दौरान खसरा नम्बर तथा बीमित भूमि के क्षेत्रफल की सही-सही जानकारी पोर्टल पर दर्ज करें।

निर्यात बढ़ाने किसानों को धान, गेहूं बुवाई बढ़ाने प्रोत्साहित करें राज्यः गोयल

एजेंसी| नई दिल्ली

केंद्रीय खाद्य और उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल ने राज्यों से कहा कि वे किसानों को धान और गेहूं के लिए बुवाई का रकबा बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करें, क्योंकि घरेलू उत्पादन बढ़ने से देश का निर्यात भी बढ़ेगा। भारत में खाद्य और पोषण सुरक्षा पर राज्यों के खाद्य मंत्रियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए गोयल ने राज्य सरकारों से कहा कि वे पुराने खातों के त्वरित निपटान के लिए 2019-20 तक के वित्त वर्षों के लिए अपने लंबित खाद्य सब्सिडी दावों को जल्द से जल्द जमा कराएं। गोयल ने राज्य सरकारों से कहा कि पुराने खाद्य सब्सिडी दावों को निपटाने के लिए केंद्र के पास धन की कोई कमी नहीं है लेकिन देरी इसलिए हुई क्योंकि राज्य उचित दस्तावेजों के साथ अपने दावे दाखिल नहीं कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने सभी राज्यों से 15 अगस्त तक सभी सहायक कागजात और ऑडिट रिपोर्ट के साथ अपने दावे प्रस्तुत करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त तक दावा दायर करने वाले राज्यों को 15 अक्टूबर तक उनका बकाया मिल जाएगा। हालांकि अगर 30 सितंबर तक कागजात दाखिल किए जाते हैं, तो बिना किसी ब्याज के जनवरी, 2023 तक दावों का निपटारा किया जाएगा। अक्सर राज्य यह कहते हुए हमारे पास आते हैं कि हमारे पास पुराने लंबित सब्सिडी दावे हैं। बहुत बार सब्सिडी के दावे इसलिए नहीं लंबित रहते हैं क्योंकि धन उपलब्ध नहीं है, बल्कि ऐसा इसलिए होता है क्योंकि उनके द्वारा जरूरी आंकड़े नहीं दिए जाते और वे जरूरी ऑडिट नहीं करा पाते हैं। उन्होंने कहा कि हम वर्ष 2019-20 तक सभी का बकाया चुकाने के लिए तैयार हैं।केंद्रीय खाद्य और उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल ने राज्यों से कहा कि वे किसानों को धान और गेहूं के लिए बुवाई का रकबा बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करें, क्योंकि घरेलू उत्पादन बढ़ने से देश का निर्यात भी बढ़ेगा। भारत में खाद्य और पोषण सुरक्षा पर राज्यों के खाद्य मंत्रियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए गोयल ने राज्य सरकारों से कहा कि वे पुराने खातों के त्वरित निपटान के लिए 2019-20 तक के वित्त वर्षों के लिए अपने लंबित खाद्य सब्सिडी दावों को जल्द से जल्द जमा कराएं। गोयल ने राज्य सरकारों से कहा कि पुराने खाद्य सब्सिडी दावों को निपटाने के लिए केंद्र के पास धन की कोई कमी नहीं है लेकिन देरी इसलिए हुई क्योंकि राज्य उचित दस्तावेजों के साथ अपने दावे दाखिल नहीं कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने सभी राज्यों से 15 अगस्त तक सभी सहायक कागजात और ऑडिट रिपोर्ट के साथ अपने दावे प्रस्तुत करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त तक दावा दायर करने वाले राज्यों को 15 अक्टूबर तक उनका बकाया मिल जाएगा। हालांकि अगर 30 सितंबर तक कागजात दाखिल किए जाते हैं, तो बिना किसी ब्याज के जनवरी, 2023 तक दावों का निपटारा किया जाएगा। अक्सर राज्य यह कहते हुए हमारे पास आते हैं कि हमारे पास पुराने लंबित सब्सिडी दावे हैं। बहुत बार सब्सिडी के दावे इसलिए नहीं लंबित रहते हैं क्योंकि धन उपलब्ध नहीं है, बल्कि ऐसा इसलिए होता है।

नगरीय निकाय का प्रथम चुरण का चुनाव हुआ संपन्न, रन्नौद में हुआ सर्वाधिक मतदान

युवा प्रदेश ■ शिवपुरी

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के साथ-साथ नगरीय निकाय का प्रथम चरण का चुनाव भी आज बुधवार को संपन्न हुआ। शिवपुरी जिले की नगर परिषद खनियाधाना, बदरवास और रन्नौद में आज लोगों ने बढ़-चढ़कर मतदान में भाग लिया। निर्वाचन आयोग के द्वारा आंकड़ों के मुताबिक बुधवार की देर सायं तक नगर पालिका चुनाव में जो मतदान प्रतिशत प्राप्त हुआ उसमें रन्नौद में पुरूष 87.1 प्रतिशत एवं महिला 85.70 प्रतिशत कुल 86.43 प्रतिशत हुआ, बदरवास में 76.30 पुरूष, महिला 69.99 प्रतिशत कुल 73.25 प्रतिशत हुआ व खनियाधाना में 75.45 प्रतिशत पुरूष एवं 71.75 प्रतिशत महिला सहित कुल 73.65 प्रतिशत रहा, यहां सायं 5 बजे तक का प्राप्त हुआ। यहां सर्वाधिक मतदान रन्नौद में देखने को मिला जहां पहली बार इस नगर परिषद में मतदाताओं ने आगे आकर अपने मत का प्रयोग किया।

अब 7 नगरीय निकाय में 13 जुलाई को द्वितीय चरण में होगा मतदान : नगरीय निकाय के प्रथम चरण के बाद अब आगामी 13 जुलाई को द्वितीय चरण का मतदान होना है इसमें अभी भी शिवपुरी जिले की 6 नगर परिषदों में मतदान की प्रक्रिया पूरी करने को लेकर निर्वाचन विभाग तैयारी कर रहा है। यहां शिवपुरी नगर पालिका परिषद सहित करैरा, पिछोर, पोहरी, बैराढ़, कोलारस शामिल है। इसके अलावा 8 जुलाई को त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के आखिरी चरण में भी जिला पंचायत के वार्ड सदस्यों, जनपद सहित सरपंच पद के लिए मतदान प्रक्रिया पूरी की जानी है। पंचायत चुनावों को लेकर आज चुनाव प्रचार समाप्त कर दिया गया है यहां अब 8 जुलाई को मतदान होना है।

पुलिस सुरक्षा रही मौजूद, निर्भीक होकर किया गया मतदान

नगर परिषद के प्रथम चरण में मतदाताओं ने पुलिस सुरक्षा के बीच निर्भीक होकर मतदान किया। यहां खनियाधान, बदरवास व रन्नौद में पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह चंदेल के द्वारा एसडीओपी अधिकारियों को निर्देशित कर आवश्यक चुनावी ड्यूटी लगाई गई थी जिसका परिणाम यह हुआ कि किसी भी मतदान केन्द्र पर कोई भी वाद-विवाद की स्थिति सामने नहीं और यहां यहां सभी मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं ने निर्भिकता के साथ अपने मत का प्रयोग करते हुए मतदान किया।

लापरवाही बरतने पर दो सचिव एवं एक रोजगार सहायक को कारण बताओ सूचना पत्र जारी

शिवपुरी। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा आवास स्वीकृत कार्य में लापरवाही बरतने पर दो ग्राम पंचायत सचिव एवं एक रोजगार सहायक को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने की कार्यवाही की है। जारी कारण बताओ सूचना पत्र में ग्राम पंचायत खोरघार सचिव पहलवान रावत, ग्राम पंचायत इंदरगढ में ग्राम पंचायत सचिव रघुवीर धाकड़ तथा ग्राम रोजगार सहायक नरेन्द्र धाकड़ को आवास स्वीकृत कार्य में लापरवाही बरतने पर कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर अपना स्पष्टीकरण 07 जुलाई तक प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है।

दिलीप राठौर एक वर्ष के लिए जिलाबदर

गुना। कलेक्टर फेंक नोबल ए. ने पुलिस अधीक्षक के प्रतिवेदन के आधार पर जिले के एक आदतन अपराधी को एक वर्ष के लिये जिला बदर का आदेश जारी किया है। पुलिस अधीक्षक के प्रतिवेदन के आधार पर दिलीप पुत्र भोगीराम राठौर निवासी शुक्ला कालोनी गुना कोतवाली गुना को एक वर्ष के लिए जिला गुना एवं उसके आस-पास के जिलों भोपाल, राजगढ़, शिवपुरी, विदिशा एवं अशोकनगर की सीमा से बाहर चले जाने का आदेश दिया गया है। साथ ही उन्होंने उक्त आदतन अपराधी को 24 घंटे के भीतर गुना जिला छोडने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह कार्रवाई मप्र राज्य सुरक्षा अधिनियम-1990 के प्रावधानों के अंतर्गत की है। आदतन अपराधी दिलीप राठौर के विरूद्ध विभिन्न अपराधों में 09 प्रकरण पंजीबद्ध हैं।

पंचायत चुनाव के दौरान अवैध हथियार के विरुद्ध की गई कार्रवाई, आरोपी गिरफ्तार

शिवपुरी। पुलिस अधीक्षक महोदय राजेश सिहं चंदेल द्वारा चुनाव को मद्देनजर रखते हुये अवैध हथियारों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार भूरिया एवं एसडीओ पोहरी एसएस मुमताज के मार्गदर्शन में आज थाना प्रभारी पोहरी उप निरी जितेंद्र चंदेलिया, चौकी भटनावर प्रभारी उप निरीक्षक विनोद यादव द्वारा कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को 315 बोर के कट्टे एवं दो जिंदा राउंड के साथ गिरफ्तार किया। आज चौकी प्रभारी भटनावर मय बल के भटनावर पोहरी रोड पर चेकिंग कर रहे थे तभी एक बिना नंबर की हीरो एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल आती दिखी, जिसे रोक कर चेक करने पर उसके पास से 315 बोर का देशी लोहे का बना अदिया एवं दो जिंदा राउंड मिले, जिससे उसके लाइसेंस मांगा गया जो उसने ना होना बताया। आरोपी का कृत्य धारा 25,27 आर्म्स एक्ट का पाए जाने से आरोपी शेषभान यादव पुत्र पंचम यादव निवासी सिंघाड़ा थाना बैराड़ जिला शिवपुरी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जिसे जेल भेजा गया। थाना प्रभारी पोहरी के निर्देशन में व उनकी टीम उप निरीक्षक विनोद यादव चौकी प्रभारी भटनावर आरक्षक भीकम सिंह, सुनील जाट की सराहनीय भूमिका रही है।

अनियंत्रित कार 200 फीट गहरी खाई में गिरी, दो महिलाओं की मौत

14 घायल, असीरगढ़ घूमने गया था परिवार

बुरहानपुर। बुरहानपुर जिले के असीरगढ़ में एक बड़ा हादसा हो गया। यहां असीरगढ़ का किला घूमने गए एक परिवार की वैन पर पत्थर और मलबा गिरने से वह अनियंत्रित होकर 200 फीट गहरी खाई में जा गिरी, हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि 14 लोग घायल हो गए। घायलों में 8 बच्चे भी शामिल हैं। फिलहाल सभी घायलों का इलाज जिला अस्पताल में जारी है। हादसा बुधवार दोपहर 3.30 बजे का बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार बुरहानपुर के मोमीनपुरा से एक ही परिवार के 16 सदस्य वैन एमपी-68 सी-2832 से पिकनिक मनाने असीरगढ़ गए थे। मौसम खराब होने और तेज बारिश के कारण परिवार दोपहर 3.30 बजे वापस लौटने के लिए निकला। जब वैन पहाड़ी से नीचे उतर रही थी, तभी पहाड़ी से पत्थर और मलबा गिरने लगा इसी दौरान वैन अनियंत्रित होकर सीधे 200 फीट नीचे खाई में जा गिरी। हादसे के दौरान पीछे से आ रहे कुछ पर्यटकों ने वैन को गिरते देखा और मदद के लिए लोगों को बुलाया तथा पुलिस को सूचना दी। हादसे में लेलातुननिशा (45) पिता जाबिर की मौत हो गई, जबकि जिला अस्पताल से निजी अस्पताल ले जाते समय हिना खातून (28) ने रास्ते में दम तोड़ दिया।

रस्सी के सहारे 14 लोगों को बचाया

हादसे की खबर फैलते ही घटनास्थल पर ग्रामीण जमा हो गए। पुलिस और प्रशासन की टीम भी रेस्क्यू के लिए पहुंची। खाई में गिरे सभी लोगों को रस्सी की मदद से खाई से बाहर निकाला गया। एसपी राहुल कुमार लोढ़ा भी सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे। अस्पताल में भर्ती घायल मोहम्मद सिद्दीक ने बताया कि सभी परिवार के लोग ईद की खुशी में पिकनिक मनाने असीरगढ़ गए थे, खराब मौसम की वजह से वहां से वापस आ रहे थे, तभी पहाड़ी से पत्थर और मिट्टी गिर रही थी। इसके कारण कार स्लिप हो गई और खाई में जा गिरी। घायलों में मोहम्मद कामरान (7), मोहम्मद सिद्दीक (32), मोहम्मद जैद (14), मोहम्मद अयान (11), रहमातुनिसार पति असलम (44), रिफा फातमा (13), जाविद अली (42), नजिया खातून (32), असलान पिता मोहम्मद अली (3) शामिल है।

उदयपुर कांड के हत्यारों की कॉल डिटेल खंगाल रही यूपी एटीएस

लखनऊ। उदयपुर में कन्हैयालाल के हत्यारों मोहम्मद रियाज और गौस मोहम्मद के मोबाइल नंबरों की कॉल डिटेल रिपोर्ट (सीडीआर) यूपी एटीएस खंगाल रही है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि रियाज व गौस के संपर्क में यूपी का कोई व्यक्ति तो नहीं था। सूत्रों ने बताया कि उदयपुर की घटना के बाद यूपी एटीएस भी सतर्क हो गई थी। एटीएस की एक टीम उदयपुर भी पहुंची और राजस्थान एटीएस के साथ मिलकर रियाज और गौस से पूछताछ भी की। पर पूछताछ में किसी तरह का यूपी कनेक्शन सामने नहीं आया है। हालांकि रियाज व गौस के मोबाइल नंबरों की सीडीआर में कुछ नंबर यूपी के मिले हैं। इनके बारे में पता लगाया जा रहा है। मामले की जांच एनआईए को स्थानांतरित होने के बाद एटीएस ने अब एनआईए से संपर्क किया है। गौरतलब है कि भाजपा प्रवक्ता नुपुर शर्मा के विवादित बयान का समर्थन करने पर 28 जून को कन्हैया लाल की हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद उदयपुर में दंगा भड़क गया था। वहीं यूपी में भी अलर्ट जारी किया गया था।

नगरीय निकाय चुनाव शुरू होती ही बीजेपी-कांग्रेस की ओर से बयानबाजी

कांग्रेस तो केवल तबाह और बर्बाद करने का काम करती है : मुख्यमंत्री शिवराज

युवा प्रदेश ■ भोपाल

प्रदेश में नगरीय निकाय चुनाव के पहले चरण का मतदान शुरु हुआ। इस दौरान बीजेपी और कांग्रेस की ओर से बयानबाजी भी शुरू हो गई। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा-हम सभी नगर निगम जीतेंगे। नगर पालिका और नगर परिषद में हमारे पार्षद जीतकर अध्यक्ष बनाएंगे। कांग्रेस तो केवल तबाह और बर्बाद करने का काम करती है। इसलिए जनता की सेवा के लिए, प्रदेश के विकास के लिए शिखर का मतलब अहंकार नहीं है, शिखर का मतलब सेवा है, इसलिए हम शिखर पर रहेंगे। उधर, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने सोशल मीडिया पर बयान जारी कर बीजेपी पर हमला बोला है। उन्होंने लिखा-आज मध्य प्रदेश के मतदाता निकाय चुनाव के पहले चरण का मतदान करने निकले तो सरकार की तरफ से उन्हें घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम 50 रुपए बढ़ाए जाने का तोहफा मिला। जब चुनाव में यह हाल है तो चुनाव के बाद डबल इंजन की सरकार महंगाई की रेलगाड़ी को कितना तेज चलाएगी, आप खुद ही समझ

सकते हैं। अगर महंगाई रोकनी है, तो बटन दबाकर महंगाई का विरोध कीजिए। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने शिवराज सिंह पर तंज कसते हुए कहा है कि वे तो 16 नगरीय निकाय में से 17 जीत जाएं। भाजपा के पास केवल पुलिस, पैसा और प्रशासन बचे हैं। मुझे फोन आ रहे हैं कि पुलिस, पैसे का दबाव बनाया जा रहा है। हम अपने एक-एक उम्मीदवार से रिपोर्ट मंगा रहे हैं, ताकि रिकॉर्ड में दर्ज रहे कि कौनसे अधिकारी पंचायत से लेकर ऊपर तक, जिन्होंने पक्षपात किया प्रजातंत्र को दबाया और बीजेपी का बिल्ला अपनी जेब में लेकर घूमते रहे। शिवराज ने कांग्रेस पर तंज भी कसा कि वे हार की भूमिका तैयार शुरू कर देते हैं। कमलनाथ भ्रष्टाचार की बात करते हैं, उनको लज्जा नहीं आती। जिन्होंने वल्लभ भवन को दलालों का अड्डा बना दिया था। वहां नेता नहीं घुस पाते थे, ठेकेदार घुसते थे। उन्होंने एक सवाल के जवाब में शिवराज ने कहा-हम नगर निगम में कब्जा नहीं कर रहे। वो कब्जा इसलिए करते हैं क्योंकि उन्हें वहां से कुछ निकालना है।

मेरी हनुमान भक्ति से भाजपा को कष्ट क्यों है

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व सीएम कमलनाथ ने कहा कि मेरी हनुमान भक्ति से मध्यप्रदेश भाजपा को कष्ट और समस्या क्यों हो रही है? हनुमान मेरी आस्था का केंद्र हैं। मैंने हनुमानजी की प्रेरणा से उनका मंदिर सालों पहले छिंदवाड़ा में बनवाया था, कोई आज नहीं। यदि मेरी आस्था अनुसार मेरा हनुमान भक्त होना अपराध है, तो मेरे हनुमान के लिए यह अपराध मैं बार बार करूंगा। वैसे भी भारतीय संस्कृति और देश के संविधान में हर धर्म के व्यक्ति को अपनी आस्था के अनुरूप पूजा का अधिकार है। पूर्व सीएम कमलनाथ ने कहा कि भाजपा के पास केवल पुलिस, पैसा और प्रशासन बचे हैं। इन चीजों का दुरुपयोग किया जा रहा है। हम अपने एक-एक उम्मीदवार से रिपोर्ट मंगा रहे हैं। ताकि हमारे मेरे पास रिकॉर्ड में दर्ज रहे कि कौन से अधिकारी पंचायत से लेकर ऊपर तक, जिन्होंने पक्षपात किया प्रजातंत्र को दबाया और बीजेपी का बिल्ला अपने जेब लेकर घूमते रहे। कमलनाथ ने कहा कि आज मेरी सभी जगह बात हुई है, अभी कटनी से आ रहा हूं।

पोलिंग एजेंटों को डरा रहे हैं विधायकः दिग्विजय

पूर्व सीएम दिग्विजयसिंह ने बयान जारी किया है कि- भोपाल नगर निगम चुनाव में आज वोट डाले जा रहे हैं। नरेला विधानसभा क्षेत्र के विधायक विश्वास सारंग जी खुले आम छोला क्षेत्र के वॉर्ड 76 के पोलिंग बूथों पर कांग्रेस के पोलिंग एजेंटों को डरा रहे हैं धमका रहे हैं।

संपादकीय

शिक्षा और चिकित्सा पर सरकारों ने ज्यादा ध्यान दिया होता तो आज हालात कुछ और होते

वाराणसी में अखिल भारतीय शिक्षा समागम में बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंग्रेजों की औपनिवेशिक शिक्षा प्रणाली की दो-टूक आलोचना की और देश भर के शिक्षाशास्त्रियों से अनुरोध किया कि वे भारतीय शिक्षा प्रणाली को शोधमूलक बनाएं ताकि देश का आर्थिक और सामाजिक विकास तीव्र गति से हो सके। जहां तक कहने की बात है, प्रधानमंत्री ने ठीक ही बात कही है लेकिन वर्तमान प्रधानमंत्री और पिछले सभी प्रधानमंत्रियों से कोई पूछे कि उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में कौन-से आवश्यक और क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं? पिछले 75 साल में भारत में शिक्षा का ढांचा वही है, जो लगभग 200 साल पहले अंग्रेजों ने भारत पर थोप दिया था। उनकी शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ जी-हुजूर बाबुओं की जमात खड़ी करना था। आज भी वही हो रहा है। हमारे सुशिक्षित नेता लोग उसके साक्षात ज्वलंत प्रमाण हैं। देश के कितने नेता सिर्फ डिग्रीधारी हैं और कितने सचमुच पढ़े-लिखे और बुद्धिजीवी हैं? इसीलिए वे नौकरशाहों की नौकरी करने के लिए मजबूर होते हैं। हमारे नौकरशाह भी अंग्रेज की टकसाल के ही सिक्के हैं। वे सेवा नहीं, हुकूमत के लिए कुर्सी पकड़ते हैं। यही कारण है कि भारत में औपचारिक लोकतंत्र तो कायम है लेकिन असलियत में औपनिवेशिकता हमारे अंग-प्रत्यंग में रमी हुई है। प्रधानमंत्री गर्व से कह रहे हैं कि उनके राज में अस्पतालों की संख्या 70 प्रतिशत बढ़ गई है लेकिन उनसे कोई पूछे कि इन अस्पतालों की हालत क्या है और इनमें किन लोगों को इलाज की सुविधा है? अंग्रेज की बनाई इस चिकित्सा-पद्धति को, यदि वह लाभप्रद है तो स्वीकार जरूर किया जाना चाहिए लेकिन कोई यह बताए कि आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, होम्योपेथी, हकीमी-यूनानी चिकित्सा-पद्धतियों का 75 साल में कितना विकास हुआ है? उनमें अनुसंधान करने और उनकी प्रयोगशालाओं पर सरकार ने कितना ध्यान दिया है? पिछले सौ साल में पश्चिमी एलोपेथी ने अनुसंधान के जरिए अपने आपको बहुत आगे बढ़ा लिया है और उनकी तुलना में सारी पारंपरिक चिकित्साएं फिसड्डी हो गई हैं। यदि हमारी सरकारें शिक्षा और चिकित्सा के अनुसंधान पर ज्यादा ध्यान दें और इन दोनों बुनियादी कामों को स्वभाषा के माध्यम से संपन्न करें तो अगले कुछ ही वर्षों में भारत दुनिया के उन्नत राष्टों की टक्कर में सीना तानकर खड़ा हो सकता है। यदि शिक्षा और चिकित्सा, दोनों सस्ती और सुलभ हों तो देश के करोड़ों लोग रोजमर्रा की ठगी से तो बचेंगे ही, भारत शीघ्र ही महाशक्ति और महासंपन्न भी बन सकेगा। दुनिया में जो भी 8-10 राष्ट शक्तिशाली और संपन्न माने जाते हैं, यदि बारीकी से आप उनका अध्ययन करें तो आपको पता चलेगा कि पिछले 100 वर्षों में ही वे वैसे बने हैं, क्योंकि उन्होंने अपनी शिक्षा और चिकित्सा पर सबसे ज्यादा ध्यान केंद्रित किया है।

सरकार और विपक्ष मिलकर प्रयास करते तो निर्विरोध हो सकता था राष्ट्रपति चुनाव

देश के सांसद और विधायक 18 जुलाई को देश के 15वें राष्टपति पद के लिए प्रत्याशी का चुनाव करेंगे। वोटों की गिनती 21 जुलाई को होगी। नया राष्टपति 25 जुलाई तक राष्टपति भवन में होगा। सत्ता पक्ष के प्रत्याशी के सामने विपक्ष का उम्मीदवार होने के कारण मतदान होगा। राष्ट के सबसे बड़े पद के लिए निर्विरोध चुनाव कराने की कोशिश क्यों नहीं होती? क्यों केंद्र की सत्ताधारी पार्टी राष्टपति के निर्विरोध चयन का प्रयास नहीं करती? भारत में राष्टपति पद के लिए पांच साल में चुनाव होता है। डॉ. राजेंद्र प्रसाद ही अकेले ऐसे व्यक्ति रहे, जिन्हें दो बार राष्टपति रहने का सौभाग्य मिला।

वैसे भाजपा रही हो या केंद्र की कांग्रेस की मजबूत सरकार, कभी ये प्रयास नहीं हुआ कि चुनाव सर्वसम्मत हो। कभी प्रयास नहीं हुआ कि इस चुनाव में विपक्ष को भी विश्वास में लिया जाए। इसी का परिणाम यह है कि आज तक राष्टपति का निर्वाचन सर्व सम्मत नहीं हुआ।

देश के सांसद और विधायक 18 जुलाई को देश के 15वें राष्टपति पद के लिए प्रत्याशी का चुनाव करेंगे। वोटों की गिनती 21 जुलाई को होगी। नया राष्टपति 25 जुलाई तक राष्टपति भवन में होगा। सत्ता पक्ष के प्रत्याशी के सामने विपक्ष का उम्मीदवार होने के कारण मतदान होगा। राष्ट के सबसे बड़े पद के लिए निर्विरोध चुनाव कराने की कोशिश क्यों नहीं होती? क्यों केंद्र की सत्ताधारी पार्टी राष्टपति के निर्विरोध चयन का प्रयास नहीं करती? भारत में राष्टपति पद के लिए पांच साल में चुनाव होता है। डॉ. राजेंद्र प्रसाद ही अकेले ऐसे व्यक्ति रहे, जिन्हें दो बार राष्टपति रहने का सौभाग्य मिला। प्रतिभा पाटिल को देश की पहली महिला राष्टपति चुने जाने का गौरव प्राप्त है। भाजपा के नेतृत्व वाले राष्टीय जनतांत्रिक गठबंधन ने राष्टपति उम्मीदवार के लिए गठबंधन के सहयोगी दलों के साथ व्यापक विचार विमर्श किया। उसके बाद पूर्व राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू को राष्टपति पद का उम्मीदवार बनाना तय हुआ। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस प्रयास में रहीं कि चुनाव में विपक्ष का एक उम्मीदवार हो। कई नाम आए। जिनके नाम आए, उनके

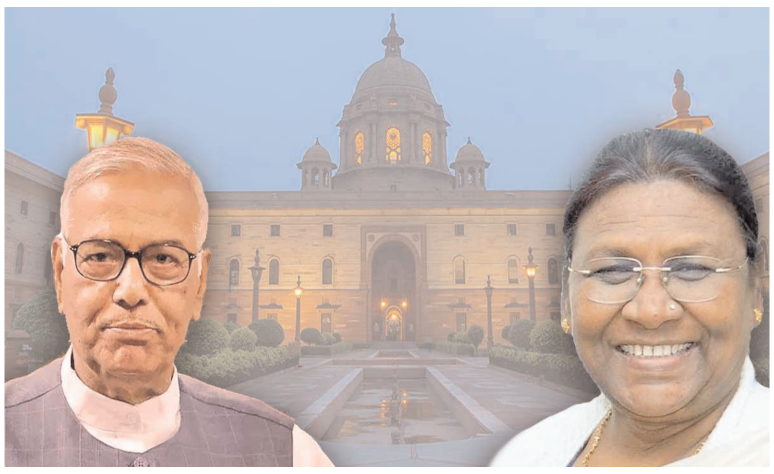

द्वारा मना करने के बाद यशवंत सिन्हा विपक्ष के उम्मीदवार बनने को तैयार हो गए। उनकी सहमति पर गठबंधन में शामिल दलों ने उनकी उम्मीदवारी पर मुहर लगा दी। हालांकि इस गठबंधन में शामिल एक-दो दलों ने भी भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन के प्रत्याशी को वोट देने की घोषणा की। बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी भाजपा गठबंधन प्रत्याशी को समर्थन की घोषणा की। वह विपक्ष द्वारा बनाए गठबंधन में शामिल नहीं रहीं। इससे पहले शरद पवार और फारूक अब्दुल्ला ने खुद को विपक्ष के राष्टपति पद के संभावित उम्मीदवारों की सूची से बाहर कर लिया था। इस चुनाव की खास बात यह है कि यदि विपक्ष एकजुट हो जाए तो केंद्र के सत्तारुढ़ भाजपा गठबंधन का प्रत्याशी विजयी नहीं हो सकता, किंतु अपने-अपने स्वार्थ और हित के कारण यह एकजुट नहीं है। वैसे भाजपा रही हो या केंद्र की कांग्रेस की मजबूत सरकार, कभी ये प्रयास नहीं हुआ कि चुनाव सर्वसम्मत हो। कभी प्रयास नहीं हुआ कि इस चुनाव में विपक्ष को भी विश्वास में लिया जाए। इसी का परिणाम यह है कि आज तक राष्टपति का निर्वाचन सर्व सम्मत नहीं हुआ। नीलम संजीव रेड्डी निर्विरोध राष्टपति बने पर तकनीकि कारणों से। उनके सामने खड़े सभी प्रत्याशियो के नामांकन चुनाव अधिकारी द्वा निरस्त कर दिए गए थे। इसके बाद वह निर्विरोध चुने गए। आज भी केंद्र की सरकार और विपक्ष में अच्छे संबध नहीं हैं। फिर भी प्रयास तो होना ही चाहिए था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं अपने स्तर से प्रयास करते तो ज्यादा बेहतर रहता। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई बार महत्वपूर्ण मुद्दों पर विपक्ष के साथ मीटिंग की। चीन से तनातनी का मामला हो या कोरोना महामारी से बचाव का, इसमें राहुल गांधी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का रवैया सहयोगात्मक नहीं रहा। विपक्ष के कई नेताओं ने प्रधानमंत्री पर गैर जिम्मेदाराना टिप्पणी की। वे यह भी भूल गए कि प्रधानमंत्री किसी पार्टी का नहीं देश का होता है। प्रधानमंत्री को सबको सम्मान देना चाहिए। होना यह चाहिए कि प्रतिस्पर्धा और विरोध तब तक होना चाहिए जब तक चुनाव होता है। चुनाव के बाद चुन कर आई सरकार को उसके कार्यकाल के पांच साल पूरे होने तक सहयोग करना चाहिए। उसकी जनविरोधी नीति की आलोचना होनी चाहिए। स्वस्थ आलोचना होनी चाहिए, जबकि अब विरोध के लिए केंद्र और प्रदेश की चुनी सरकार का विरोध हो रहा है। सही मायने में एक तरह से विरोध सरकार का नहीं मतदाता का है, जिसने सरकार बनाई। अपमान भी सरकार बनाने वाले मतदाता का है। चौधरी अजित सिंह मंच से ही कहा करते थे, राजनीति में न कोई किसी का स्थायी दुशमन होता है, न ही दोस्त। समय के साथ गठबंधन बनते और टूटते रहते हैं। इसलिए नाराजगी भी ऐसी ही होनी चाहिए। बुजुर्ग कहते आए हैं कि दुश्मनी ऐसी करो कि कभी आमने-सामने बैठना पड़े तो अपने पहले कहे पर शर्मिंदगी न उठानी पड़े। ये बात आज के राजनेता नहीं समझते। जनता की भी याद्दाशत कमजोर है। वह नेताओं की कही बातें, अपनमानजनक टिप्पणी को याद नहीं रखती।

आज के समय में परिवारवादी दलों की राजनीति से ऊबने लगी है जनता

भारतीय जनता पार्टी के तमाम नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनके मंत्रिमण्डल के सहयोगी आजकल परिवारवाद की सियासत को लेकर काफी गंभीर नजर आ रहे हैं। जब भी मोदी या बीजेपी नेता जनता के बीच जाते हैं या फिर मीडिया से मुखातिब होते हैं तो परिवारवाद से देश को होने वाले नुकसान की चर्चा करना नहीं भूलते हैं। जिस राज्य में वह जाते हैं उस राज्य में फैले परिवारवाद की राजनीति को निशाना बनाते हैं। बीजेपी नेता विपक्षी दलों के परिवारवाद पर तो हमला करते ही हैं, यह भी बताते हैं कि राजनीति में पुत्र मोह की कोई जगह नहीं होनी चाहिए। इससे फायदा कम, नुकसान ज्यादा होता है। इसके कई उदाहरण देश में मौजूद हैं। पुत्र मोह के चलते हिन्दू हृदय सम्राट बाला साहब ठाकरे ने अपने भतीजे और उनके (बाला साहब) सियासी उत्तराधिकारी समझे जाने वाले राज ठाकरे की जगह अपने बेटे उद्धव ठाकरे को शिवसेना की कमान सौंप दी थी, जबकि उद्धव की राजनीति में कोई रूचि नहीं थी। वह वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर थे और उसी में खुश नजर आते थे जबकि बाला साहब के भतीजे राज ठाकरे सियासत में रूचि रखते थे। इस बात का आभास बाला साहब को था भी, लेकिन चाचा बाला साहब के पुत्र मोह में भतीजे राज ठाकरे सियासी ठगी का शिकार हो गए। पुत्र मोह के चलते ही एक बार फिर से शिवसेना का अस्तित्व संकट में आ गया है। अबकी से शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के पुत्र मोह ने सेना को चौराहे' पर खड़ा कर दिया है। उद्धव को अपना सियासी अस्तित्व बचाना मुश्किल हो गया है।

भारत चाहे तो कुछ समय के लिए श्रीलंका को गोद लेकर उसके हालात सुधार सकता है

श्रीलंका में वह हो रहा है, जो हमारे दक्षिण एशिया के किसी भी राष्ट में आज तक कभी नहीं हुआ। जनता के डर के मारे राष्टपति और प्रधानमंत्री को भागकर कहीं छिप जाना पड़े, ऐसा इस भारतीय उप-महाद्वीप के किसी देश में कभी हुआ है क्या? हमारे कई पड़ोसी देशों में फौजी तख्ता-पलट, अंदरूनी बगावत और संवैधानिक संकट के कारण सत्ता परिवर्तन हुए हैं लेकिन श्रीलंका में हजारों लोग राष्टपति भवन में घुस गए और प्रधानमंत्री के निजी निवास को उन्होंने आग के हवाले कर दिया। राष्टपति गोटाबाया राजपक्ष और प्रधानमंत्री रनिल विक्रमसिंघ को अपने इस्तीफों की घोषणा करनी पड़ी। श्रीलंका की जनता तो जनता, फौज और पुलिस ने भी इन नेताओं का साथ छोड़ दिया। दोनों ने न तो प्रधानमंत्री के जलते हुए घर को बचाने के लिए गोलियां चलाईं और न ही राष्टपति के जूते और चड्डियां हवा में उछालने वालों पर लाठियां बरसाईं। ये हजारों

लोग राजधानी कोलंबो और उसके बाहर से भी आकर जुटे थे। जब श्रीलंका में पेट्रोल का अभाव है और निजी वाहन नहीं चल पा रहे हैं तो ये लोग आए कैसे? ये लोग दर्जनों मील पैदल चलकर राष्टपति भवन पहुंचे हैं। उनके गुस्से का अंदाजा सत्ताधारियों को पहले ही हो चुका था। पिछले तीन महीने से श्रीलंका अपूर्व संकट में फंसा हुआ है। महंगाई और बेरोजगारी आसमान छू रही थीं। सिर्फ सवा दो करोड़ लोगों का यह देश अरबों-खरबों डालर के कर्ज में डूब रहा है। 75 प्रतिशत लोगों को रोजमर्रा का खाना भी पूरा नसीब नहीं हो पा रहा है। जो भाग सकते थे, वे नावों में बैठकर भाग निकले। जो नेता याने महिंदा राजपक्षे श्रीलंका का महानायक बन चुका था, इसलिए कि उसे तमिल आतंकवाद को नष्ट करने का श्रेय था, उसे प्रधानमंत्री के पद से 9 मई को इस्तीफा देना पड़ा और अब उसके भाई गोटाबाया ने अपना इस्तीफा 13 जुलाई को देने की घोषणा की है। इस सरकार में राजपक्षे परिवार के पांच सदस्य उच्च पदों पर रहकर पारिवारिक तानाशाही चला रहे थे। ऐसी पारिवारिक तानाशाही किसी भी लोकतांत्रिक देश में सुनने में नहीं आई। उन्होंने बिना व्यापक विचार-विमर्श किए ही कई अत्यंत गंभीर आर्थिक और राजनीतिक फैसले कर डाले। विरोधियों की चेतावनियों पर भी कोई कान नहीं दिए। अंतरराष्टीय वित्तीय संस्थाओं की चेतावनियों को भी उन्होंने दरी के नीचे सरका दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री बदला और कई मंत्री भी बदल दिए। लेकिन यह बदलाव भी किसी काम नहीं आया। अब सर्वदलीय सरकार यदि बन भी गई तो वह क्या कर लेगी? इस समय श्रीलंका को जबर्दस्त आर्थिक टेके की जरुरत है। भारत चाहे तो संकट की इस घड़ी में कुछ समय के लिए वह अपने इस पड़ोसी देश को गोद ले सकता है। यह देश भारत के किसी छोटे से प्रांत के बराबर ही है। श्रीलंका की बौद्ध और तमिल जनता भारत के इस अहसान को सदियों तक याद रखेगी।

टीवी चैनलों पर होने वाली बहसें तेजाबी होती चली जा रही हैं

यदि देश में खुली बहस पर प्रतिबंध लग गया तो यह विश्व-गुरु विश्व-चेला बनने लायक भी नहीं रहेगा। भारत तो हजारों वर्षों से 'शास्त्रार्थों' और खुली बहसों के लिए जाना जाता रहा है। सन्मति और सहमति के निर्माण में तर्क-वितर्क और बहस-मुबाहिसा तो चलते ही रहना चाहिए। आजकल हमारे टीवी चैनलों और कुछ नेताओं को पता नहीं क्या हो गया है? वे ऐसे विषयों को तूल देने लगे हैं, जो देश की उन्नति और समृद्धि में कोई योगदान नहीं कर सकते। जैसे भाजपा प्रवक्ता के द्वारा पैगंबर मोहम्मद के बारे में दिया बयान और अब कनाडा में बनी फिल्म 'काली' को लेकर देश का कितना समय बर्बाद हो रहा है। हमारे लगभग सभी टीवी चैनल दिन भर इसी तरह के मुद्दों पर पार्टी-प्रवक्ताओं और बड़बोले सतही वक्ताओं को बुलाकर उनका दंगल दिखाते रहते हैं। इन बहसों का एकमात्र लक्ष्य यही होता है कि टीवी चैनल अपनी दर्शक-संख्या (टीआरपी) में वृद्धि करें। इन बहसों में शामिल लोग एक-दूसरे की बात काटने के लिए अनर्गल भाषा का इस्तेमाल करते हैं, एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाते हैं और

ऐसी बातें नहीं कहते हैं, जिनसे करोड़ों दर्शकों का ज्ञानवर्द्धन हो। देश के अनेक विचारशील और गंभीर स्वभाव के लोग इन बहसों को देखकर दुखी होते हैं और उनमें से बहुत-से लोग टीवी देखना ही टालते रहते हैं। वे मानते हैं कि इन बहसों को देखना अपना समय नष्ट करना है। लेकिन आम आदमियों पर ऐसी बहसों का कुप्रभाव आजकल हम जोरों से देख रहे हैं। कभी उन्हें लगता है कि फलां वक्ता ने शिवजी का अपमान कर दिया है, फलां ने पैगंबर के बारे में घोर आपत्तिजनक बात कह दी है और फलां ने काली माता की छवि चौपट कर दी है। यदि ऐसा किसी विधर्मी के द्वारा हुआ है तो फिर आप क्या पूछते हैं? सारे देश में प्रदर्शनों, जुलूसों और हिंसा का माहौल बन जाता है।

जिले भर में झमाझम वर्षा का दौर जारी, कई स्थानों पर कच्चे मकान व पेड़ गिरे

रायसेन। जिले भर में मानसून की सक्रियता के चलते झमाझम वर्षा का दौर जारी है। पिछले एक सप्ताह से कहीं हल्की तो कहीं तेज वर्षा हो रही है। नदी-नाले उफान पर हैं। जिले में एक जून से दस जुलाई तक 307.1 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज हुई है। जिले की वर्षा ऋतु में सामान्य औसत वर्षा 1197.1 मिलीमीटर है। अधीक्षक भू.अभिलेख द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार एक जून से 10 जुलाई तक जिले के वर्षामापी केन्द्र रायसेन में 196.4 मिलीमीटर, गैरतगंज में 321.4, बेगमगंज में 223, सिलवानी में 257.2, गौहरगंज में 195,6, बरेली में 270, उदयपुरा में 281.6, बाड़ी में 298, सुल्तानपुर में 286.5 तथा वर्षामापी केन्द्र देवरी में 291.5 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

कच्चा झोपड़ीनुमा मकान गिरने से एक की मौत

सिलवानी। लगातार हो रही जोरदार वर्षा से जनजीवन अस्त व्यस्त हो रहा है। नदी- नाले उफान पर चल रहे है। जोरदार वर्षा से झोपड़ीनुमा कच्चा मकान गिरने से एक की मौत हो गई। जबकि एक घायल हो गया। प्राथमिक उपचार के बाद घायल को जिला अस्पताल रेफर किया गया। तहसीलदार रामजी लाल वर्मा ने बताया कि रिमझा गांव के पास जंगल किनारे बना एक झोपड़ी नुमा कच्चा मकान वर्षा के कारण गिर गया। इसमें रहने वाले एक व्यक्ति की मौत हो गई।

सांची अस्पताल सहित अनेक स्थानों पर भरा वर्षा का पानी

सांची। करोड़ों की सौगात मिलने के बाद भी सांची में वर्षा के पानी की निकासी की व्यवस्था नहीं है। रातभर भारी वर्षा से नगर के बीचोबीच मदागन तालाब लबालब हो गया। जिससे पानी रामलीला मैदान की सड़क पर लगभग तीन फीट बहने गया। लोगों को आने-जाने में परेशानी हुई। तालाब का पानी अस्पताल परिसर में भर गया। स्तूप मार्ग पर लगभग दो से ढाई फीट पानी भरा रहा। जिससे स्तूप मार्ग पर पैदल चलना ठप हो गया तथा मरीजों को भी अस्पताल पहुंचने में परेशानी उठानी पड़ी। आज ईद का मुख्य त्योहार होने से मस्जिद पहुंचने के लिए मुस्लिम समुदाय के लोगों को भी सड़क पर भरे दो से ढाई फीट पानी में से निकलना पड़ा। नगर में पानी निकासी नहीं होने से सवाल खड़े होने लगे हैं। जबकि करोड़ों की लागत से निर्मित होने वाले सिविल अस्पताल भवन के निर्माणाधीन भवन से तालाब निकासी पानी बंद हो गया। हालांकि इसके भूमि पूजन की तैयारी का जायजा लेने पहुंचे तब एसडीएम एवं नगर परिषद प्रशासक को नगर के लोगों ने अवगत कराते हुए वर्षा में समस्या खड़ी होने से अवगत कराया गया था।

तेज वर्षा से कल्याणी का मकान हुआ धराशायी

बेगमगंज। गत रात्रि में हुई गरज चमक के साथ तेज वर्षा से गरीब कल्याणी महिला का मकान गिर गया। मकान की दीवार गिरते ही छप्पर भी भरभरा कर गिर गया। यह तो अच्छा हुआ कि उस वक्त महिला अपने घर में नहीं थी। वह अपनी बेटी के यहां गई हुई थी। मकान गिरने से घर गृहस्थी का सामान भी खराब हो गया है। खिरिया नारायणदास टेकरी पर रहने वाली करीब बुजुर्ग भूरी बाई पत्नी स्वर्गीय लाल सिंह के मकान की दीवारें हवा के जोर को नहीं सह सकी और भरभरा कर गिर गई। जिससे छप्पर भी नीचे आ गया। दीवार व छप्पर गिरने से करीब 25 हजार रुपये का नुकसान हुआ है। वृद्ध महिला ने तहसीलदार को आवेदन देकर शासन से सहायता की गुहार लगाई है।

कलियासोत के जंगल में रात को घूमते नजर आया टाइगर

भोपाल। राजधानी भोपाल में एक बार फिर टाइगर का मूवमेंट दिखाई दिया है। कलियासोत के जंगल में

मंगलवार रात नगर वन के पास बाघ दिखाई दिया। जिसे देखकर वहां से गुजर रहे कार सवार रोमांचित हो उठे और उन्होंने मोबाइल पर उसका वीडियो बना लिया। जो बुधवार को सामने आया। वन विभाग का कहना है कि भोपाल के आसपास करीब 25 किमी के दायरे में लगभग 20 बाघों का मूवमेंट है। कलियासोत, केरवा के जंगल के साथ ही कोलार-बैरसिया इलाके में भी टाइगर देखे गए हैं। फरवरी-2022 में चूना भट्टी चौराहा स्थित भोज यूनिवर्सिटी कैंपस में टाइगर का मूवमेंट था। कोलार में भी टाइगर देखा गया। अब नगर वन के आसपास टाइगर का मूवमेंट देखने को मिला है।

प्रदेश में 526 टाइगर: मध्यप्रदेश टाइगर स्टेट है। यहां वर्तमान में 526 टाइगर है। वहीं दूसरी ओर भोपाल के वन विहार नेशनल पार्क में कुल 13 टाइगर है।

विवेक जायसवाल नेशनल हाइवेज एक्सीलेंस अवार्ड्स 2021 से सम्मानित

भोपाल। नईदिल्ली के विज्ञान भवन में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय राजमार्ग उत्कृष्टता पुरस्कार 2021 समारोह में एनएचएआई भोपाल के रीजनल ऑफिस सीजीएम विवेक जायसवाल को एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। एक्सीलेंस अवार्ड ओमबिरला, स्पीकर लोकसभा के द्वारा एवं नितिन गडकरी व जनरल व्ही.के. सिंह की उपस्थिति में प्रदान किया गया। यह अवार्ड उन्हें कोरोना काल के दौरान मध्यप्रदेश में किये गए उत्कृष्ट कार्य के लिए दिया गया जिसमें 61 ऑक्सीजनप् लांटका निर्माण, 350 किमी से अधिक 4 लेन सड़क का निर्माण, 480 किमी चारलेन सड़क के उन्नयन के 13 कार्यों की शुरूआत करने, लगभग 5 लाख पेड़ों का रोपण, इत्यादि उल्लेखनीय है। इस अवसर पर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने राजमार्ग अव संरचना क्षेत्र में की गई उपलब्धियों की सराहना की और आशा व्यक्त की कि भारत भविष्य में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। यह कार्यक्रम आजादी का अमृतमहोत्सव के तहत आयोजित किया गया था। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। इसवर्ष, पुरस्कारों का विषय सड़क निर्माण में नवाचार और उत्कृष्टता था।

सुविधा एक्सीडेंट की लोकेशन पर तत्काल पहुंचेगी एम्बुलेंस

प्रदेश में अब सैटेलाइट से होगी हाईवे की निगरानी

युवा प्रदेश ■ भोपाल

प्रदेश में सड़क दुर्घनाओं में घायल होने वाले लोगों को त्वरित मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सैटेलाइट का सहारा लिया जाएगा। यानी प्रदेश के हाईवे की निगरानी अब सैटेलाइट से की जाएगी। ताकि घायलों के पास बिना विलंब के एंबुलेंस पहुंच सके। इसके लिए अब हाईवे व आसपास के क्षेत्रों की एंबुलेंस पर मोबाइल डाटा टर्मिनल (एमडीटी) लगाए जाएंगे। यह काम रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (आरडीसी) के एक्सीडेंट रिस्पॉन्स सिस्टम के तहत होगा। गौरतलब है कि प्रदेश

में हाईवे पर होने वाले एक्सीडेंट में कई बार घायल समय पर अस्पताल इसलिए नहीं पहुंच पाते, क्योंकि एंबुलेंस एक्सीडेंट की लोकेशन ही ट्रेस नहीं हो पाती है। ऐसे में एंबुलेंस को लोकेशन तक पहुंचने में समय लग जाता है। इस समस्या से निपटने के लिए अब हाईवे व आसपास के क्षेत्रों की एंबुलेंस पर एमडीटी लगाए जाएंगे।

शुरू में 150 एम्बुलेंस में डिवाइस लगेगी

एमपीआरडीसी के अधिकारियों के मुताबिक जो एक जनवरी 2021 से अब तक प्रदेश में 64,757 एक्सीडेंट हुए हैं। इनमें 14,743 लोगों की मौत हुई हैं। 94 हजार से ज्यादा लोग घायल हुए। अधिकांश मामलों में समय पर घायलों को मेडिकल सुविधा नहीं मिल पाई है। इसको देखते हुए अब हाईवे व आसपास के क्षेत्रों की एंबुलेंस पर मोबाइल डाटा टर्मिनल लगाए जाएंगे। शुरू में 150 एम्बुलेंस में डिवाइस लगेगी। इसके लिए एंबुलेंस और पुलिस के टोल नंबरों को आपस में जोड़ा जाएगा। इसके तहत एनएच के नंबर 1033, स्टेट हाईवे के नंबर 1099, एंबुलेंस के लिए 108 और पुलिस के 100 नंबर आपस में जुड़े रहेंगे।

जुलाई आखिर तक यह काम हो जाएगा। आरडीसी के एक्सीडेंट रिस्पॉन्स सिस्टम के तहत यह काम होगा। एमपीआरडीसी के सीई इंचार्ज सुनील वर्मा का कहना है कि मप्र एक्सीडेंट के मामले में देश भर में अव्वल है। अब सभी हाईवे आदि के आसपास उपलब्ध एंबुलेंस में एमडीटी लगाएंगे। इससे रिस्पॉन्स टाइम में कमी आएगी और जल्द से जल्द एंबुलेंस घटना स्थल पर पहुंच सकेंगी।

मौनी रॉय का बोल्ड लुक

बॉलीवुड, हॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री में आए दिन कोई-न-कोई नई अनाउंसमेंट होती रहती है। कभी किसी फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा होगी तो कभी कोई सेलिब्रिटी अपडेट सामने आएगा। ऐसे में मनोरंजन जगत की हर छोटी से बड़ी जानकारी हासिल करने के लिए पढ़ते रहिए हमारा एंटरटेनमेंट लाइव ब्लॉग- सिनेमाघरों में इन दिनों हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड तक कई फिल्में दर्शकों का मनोरंजन कर रही हैं। हालांकि जिस फिल्म को दर्शक ज्यादा पसंद कर रहे हैं, वह है आर माधवन के निर्देशन में बनी रॉकेट्री- द नंबी इफेक्ट। जी हां, द कश्मीर फाइल्स की ही तरह यह फिल्म भी माउथ पब्लिसिटी (यानी वर्ड ऑफ माउथ) के दम पर बॉक्स ऑफिस पर कमाल दिखा रही है।

मॉर्डन बेटिंग की होती है ये पांच बेहतरीन विशेषताएं

कहने को भारत में खिलाड़ियों के लिए सैकड़ों ऑनलाइन बुकमेकर्स है, जहां पर ऑनलाइन बेटिंग की जाती है और उनमें से भी बहुत सारे साइट्स अलग-अलग क्राइटेरिया में काफी अच्छे होते हैं, जो लोगों को बेटिंग का अच्छा अनुभव प्रदान करते हैं क्योंकि हर कोई बेहतर साइट्स पर भी खेलना चाहता है, वो सिंपल साइट्स से हटकर बेस्ट वाले पर ही ज्यादा खेलना पसंद करता है. ऐसे में इतने सारे बेटिंग साइट्स में से बेस्ट ऑप्शन का चुनाव करने के लिए बहुत जरूरी है कि आपको इस बात की पूरी जानकारी हो कि मॉडर्न बेटिंग के लिए क्या बातें जरूरी है? सौभाग्य से अमर उजाला आपकी इस समस्या को दूर करने के लिए आपके साथ मौजूद है. आज हम आपको मॉर्डन बुकिंग की 5 ऐसी बेहतरीन विशेषताओं के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपको बाकि सभी साइट्स में से अंतर को पहचान कर एक बेस्ट साइट को ही चुनने में मदद करेंगी।

1. वेरिफिकेशन की सुविधा

किसी भी चीज की शुरुआत करना हर एक यूजर्स के अनुभवों में शामिल एक अहम हिस्सा है और ऐसे में आपके भले के लिए और आसानी से बिना किसी बांधा के काम को जल्दी करने में वेरिफिकेशन करना बहुत ही जरुरी स्टेप होता है। हमारे पास बेटिंग अकाउंट को सत्यापित करने के लिए अनक्लियर प्रोसेस और असुविधा से भरे हुए पुराने तरीकों पर खर्च करने के लिए जरा सा भी समय नहीं है। इसलिए ऐसे में बेटिंग साइट्स आपको क्या अल्टरनेटिव विकल्प देते हैं ये समझना बहुत जरूरी है? विश्व बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री पॉल रोमर के अनुसार सत्यापन के लिए आधार दुनिया की सबसे बड़ी बायोमेट्रिक आईडी सिस्टम होने के साथ-साथ सबसे एडवांस आईडी प्रोग्राम है, इसलिए आधारकार्ड से वेरिफिकेशन सबसे अच्छा उदाहरण माना जाता है. आज भारत में लगभग 99त्न युवाओं के पास आधारकार्ड है।

कोई सांप का जहर तो कोई लेती हैं जोंक थेरेपी

खूबसूरती के लिए और भी बहुत कुछ करती हैं ये एक्ट्रेसेज

आज के दौर में हर कोई खूबसूरत दिखना चाहता है और इसके लिए वह तरह-तरह के नुस्खे भी अपनाता है। खासकर ग्लैमर वर्ल्ड से जुड़ी अभिनेत्रियां अपनी त्वचा का बेहद ख्याल रखती हैं और ग्लैमरस लुक पाने के लिए कभी-कभी वह इस हद तक चली जाती है कि कोई उसकी कल्पना भी नहीं कर सकता। आज हम आपको कुछ ऐसे ही हसीनाओं के बारे में बताने जा रहे हैं, जो अपनी सुंदरता को बरकरार रखने के लिए अजीबो-गरीब नुस्खे आजमाती है, चाहे ऐसा करने में उन्हें दर्द और तकलीफ का सामना क्यों न करना पड़े। तो चलिए आपको बताते हैं हॉलीवुड की इन अभिनेत्रियों के ब्यूटी सीक्रेट्स...

ग्विनिथ पाल्ट्रो

इस लिस्ट में सबसे पहला नाम आता है ग्विनिथ पाल्ट्रो का, जो अपने चेहरे की झुर्रियों से बचने के लिए सांप से जहर से बनी क्रीम लगाती हैं। आपको ये जानकारी हैरानी तो जरूर होगी, लेकिन यह सच है।

स्कारलेट जॉनसन

स्कारलेट जॉनसन हॉलीवुड की सबसे खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि उनकी इस सुंदर और ग्लोइंग स्किन के पीछे क्या राज है? दरअसल, स्कारलेट अपनी स्किन पर सिडार विनेगर (सिरका) का इस्तेमाल करती हैं।

डेमी मूर

अभिनेत्री डेमी मूर का ब्यूटी सीक्रेट सबसे ज्यादा भयानक है। अभिनेत्री ग्लोइंग स्किन के लिए जोंक थेरेपी का सहारा लेती हैं। इस थैरेपी में चेहरे पर बहुत सी जोंक रखी जाती है, जो खून से ऐसे टॉक्सिंस को चूस लेते हैं, जिससे त्वचा जवां और चमकदार दिखने लगती है। हालांकि यह काफी दर्दनाक थेरेपी होती है, जिसमें समय भी लगता है।

विक्टोरिया बेकहम

फैशन डिजाइनर और सिंगर विक्टोरिया बेकहम का ब्यूटी सीक्रेट जानकार आपके होश उड़ जाएंगे और शायद आपको यह सच भी नहीं लगे। लेकिन मशहूर फुटबॉलर डेविड बेकहम की पत्नी विक्टोरिया बेकहम बर्ड पूप (चिड़ियों का मल) से फेशियल कराती हैं। कहा जाता है कि इससे त्वचा में निखार आता है।

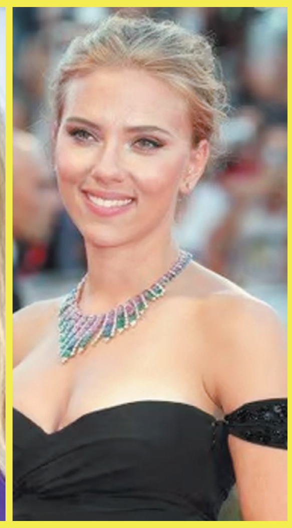

जेनिफर लोपेज

जेनिफर लोपेज अपने चेहरे पर चमक बनाए रखने के लिए ह्यूमन प्लेसेंटा फेशियल करवाती हैं। इतना ही नहीं अभिनेत्री केटी होम्स भी अपनी स्किन पर प्लेसेंटा क्रीम का इस्तेमाल करती हैं। यह जानकारी आपको हैरानी हो रही होगी, लेकिन कहा जाता है कि यह प्लेसेंटा में पोषक तत्व होते हैं, जो स्किन को ग्लो और खूबसूरत बनाने में मदद करते हैं।

थॉर 4 ने तीन दिन मे हिंदी में कमाए 13 करोड़, पार किया 50 करोड़ की कमाई का आंकड़ा

मार्वल स्टूडियोज की नई फिल्म 'थॉर- लव एंड थंडर' ने शुक्रवार की सुस्ती के बाद शनिवार को फिर उछाल मारी। रिलीज के पहले दिन देश में रिलीज हुई हॉलीवुड फिल्मों में ओपनिंग के मामले में पांचवें नंबर पर रही फिल्म 'थॉर- लव एंड थंडर' का कलेक्शन शुक्रवार के मुकाबले शनिवार को करीब 36 फीसदी ज्यादा रहा और इसके रविवार को अभी और बढ़ने की उम्मीद दिख रही है। फिल्म के रविवार के सुबह के शोज की कमाई से ही 50 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है। फिल्म के हिंदी संस्करण ने रिलीज के पहले तीन दिन में ही 13 करोड़ रुपये की कमाई करके हिंदी फिल्म निर्माताओं को भी चौंका दिया है। फिल्म 'थॉर- लव एंड थंडर' अमेरिका से एक दिन पहले भारत में 7 जुलाई को रिलीज हुई और रिलीज के पहले दिन ही इसने 18.60 करोड़ रुपये की शानदार कमाई करके हॉलीवुड की टॉप ओपनिंग फिल्म्स में पांचवें स्थान पर कब्जा जमा लिया। फिल्म ने पहले दिन अंग्रेजी में 11.75 करोड़ रुपये, हिंदी में 5.5 करोड़ रुपये, तमिल में 60 लाख रुपये और तेलुगू में 75 लाख रुपये की कमाई की। दूसरे दिन फिल्म का कलेक्शन 11.55 करोड़ रुपये रहा और इस दिन फिल्म ने अंग्रेजी में आठ करोड़ रुपये, हिंदी में तीन करोड़ रुपये, तमिल में 25 लाख रुपये और तेलुगू में 30 लाख रुपये की कमाई की। शनिवार को तमाम दफ्तरों में छुट्टी का दिन होने के चलते फिल्म 'थॉर- लव एंड थंडर' ने बीते दिन के मुकाबले करीब 40 फीसदी का उछाल बॉक्स ऑफिस की कमाई में दर्ज किया है। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक फिल्म 'थॉर- लव एंड थंडर' शनिवार को करीब 16 करोड़ रुपये का कारोबार करती दिख रही है। फिल्म के अंतिम आंकड़े रविवार की दोपहर तक आने की उम्मीद है और तभी ये साफ हो सकेगा कि फिल्म ने भाषावार संस्करणों में अलग अलग कितनी कमाई की है। इसी के साथ फिल्म की पहले तीन दिनों की कमाई अब तक करीब 46.15 करोड़ रुपये होती दिख रही है। शनिवार को तमाम दफ्तरों में छुट्टी का दिन होने के चलते फिल्म 'थॉर- लव एंड थंडर' ने बीते दिन के मुकाबले करीब 36 फीसदी का उछाल बॉक्स ऑफिस की कमाई में दर्ज किया है।

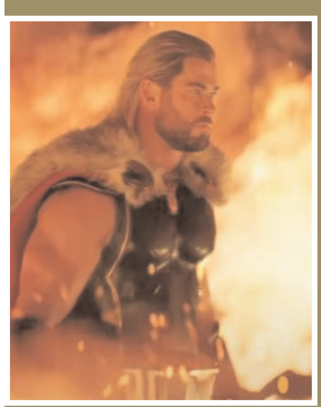

शादी की पहली सालगिरह मनाने लंदन पहुंचे दिशा और राहुल

टेलीविजन की मशहूर अभिनेत्री दिशा परमार और सिंगर राहुल वैद्य टेली टाउन की सबसे प्यारी जोड़ियों में से एक हैं। दोनों की शादी को कुछ दिनों में एक साल का वक्त पूरा होने जा रहा है। ऐसे में कपल अपनी शादी की पहली सालगिरह को मनाने के लिए लंदन पहुंच गया है। दोनों सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और अपनी वेकेशन की तस्वीरें फैंस के साथ साझा कर रहे हैं। तस्वीरों में राहुल और दिशा का रोमांटिक अंदाज देखने को मिल रहा है। दिशा इन दिनों %बड़े अच्छे लगते हैं 2% कर रही हैं, जिससे उन्होंने कुछ दिन का ब्रेक लिया है। एक इंटरव्यू में राहुल वैद्य ने इस बात की पुष्टि की थी कि दोनों 10 दिनों के लिए लंदन जा रहे हैं। अब दोनों ने इंस्टाग्राम पर खूब सारी तस्वीरें की हैं, जिसमें दोनों काफी रोमांटिक लग रहे हैं। किसी तस्वीर में राहुल दिशा को निहार रहे हैं, तो किसी में दोनों एक दूसरे की आंखों में देख रहे हैं। दोनों की तस्वीरों को फैंस भी काफी पसंद कर रहे हैं। दिशा ब्लैक एंड व्हाइट ओवरकोट और डेनिम में खूबसूरत लग रही हैं, तो राहुल ब्लू स्वेटशर्ट और डेनिम में दिखाई दे रहे हैं। दिशा ने स्टोरी भी लगाई है, जिसमें दोनों लॉन्ग ड्राइव का मजा ले रहे हैं और उसके बाद वह समुद्र में बोट राइड का आनंद उठा रहे हैं। दोनों ही अपने वेकेशन को काफी एंजॉय कर रहे हैं। बता दें कि राहुल वैद्य और दिशा पहली बार एक म्यूजिक वीडियो के दौरान मिले थे, जिसके बाद दोनों की दोस्ती हुई और फिर प्यार हो गया। वहीं, राहुल ने बिग बॉस के घर से दिशा को शादी के लिए प्रपोज किया था। इसके बाद दिशा ने शो में आकर ही अपना जवाब दिया था। शो से बाहर आने के बाद दोनों ने 16 जुलाई 2021 को अपने परिवार और दोस्ती की मौजूदगी में शादी कर ली थी।

आरबीआई का फैसला, भारतीय रुपयों में भी हो सकेगा आयात-निर्यात का निपटारा

नई दिल्ली। सोमवार को आरबीआई की ओर से जारी एक रिलीज में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भारतीय निर्यात को बढ़ावा देने और कारोबार में रुपये में लोगों की दिलचस्पी को सपोर्ट देने के लिए अंतरराष्ट्रीय कारोबार का सेटलमेंट रुपये में करने का भी फैसला लिया गया है। यह एक अतिरिक्त व्यवस्था के रूप में अंतरराष्ट्रीय कारोबार के तहत होने वाले आयात और निर्यात से जुड़े इनवॉयसिंग, भुगतान और सेटलमेंट में व्यवहार में लाया जाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से कहा इस व्यवस्था को लागू करने से पहले एडी बैंकों को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के मुंबई स्थित फॉरेन एक्सचेंज डिपार्टमेंट से इजाजत लेनी होगी। माना जा रहा है कि आरबीआई के इस कदम से देश आयात-निर्यात करने वाले कारोबारियों को खासा लाभ पहुंचेगा। अब वे अपनी डील को भारतीय मुद्रा में भी सेटल कर पाने में सक्षम होंगे।

रुपया डॉलर के मुकाबले अपने नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचा, बाजार में कमजोरी का असर

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में कमजोरी के बीच भारतीय रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। इस कारण वैश्विक बाजारों में उथल-पुथल के बीच भारतीय बाजारों में चिंता बनी हुई है। सोमवार को भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले 79.38 डॉलर पर ट्रेड कर रहा है। आपको बता दें कि बीते शुक्रवार को रुपया 79.25 दर पर कारोबार कर रहा था। इसे पहले रुपया ने अपना पिछला लाइफटाइम लो पिछले हफ्ते लगाया था जब यह टूटकर 79.3750 के स्तर पर पहुंच गया था। इस दौरान भारतीय शेयर बाजारों में भी 0.5 प्रतिशत की मंदी देखी जा रही है। देश में रुपये के लगातार गिरते दर से चिंता बढ़ती जा रही है। देश में अब इस पर राजनीतिक बयानबाजी भी शुरू हो गई है। विपक्षी दलों के लोग आरोप लगा रहे हैं कि प्रधानमंत्री पीएम बनने से पहले रुपये की गिरावट पर सरकार को घेरते थे पर अब जब वे खुद प्रधानमंत्री हैं तो रुपये की गिरावट पर कुछ नहीं बोल रहे हैं।

भारत में इंटरनेट के जनक का निधन, देश की सूचना क्रांति में था अहम योगदान

नई दिल्ली। विदेश संचार निगम लिमिटेड के पूर्व चेयरमैन ब्रिजयेंद्र कुमार सिंगल का शनिवार की देर रात निधन हो गया। वे 82 वर्ष के थे। ब्रिजयेंद्र कुमार सिंगल को भारत में इंटरनेट क्रांति का जनक माना जाता है। भारत में इंटरनेट की शुरुआत और उसे विकसित करने में उनका अहम योगदान था। ब्रिजयेंद्र कुमार एक आईआईटीयन थे। सिंगल ने सैटेलाइट कम्यूनिकेशन कंपनी इनमरसैट को छोड़कर साल 1991 में वीएसएनएल का कार्यभार संभाला था।

सेंसेक्स: हफ्ते के पहले दिन उठापटक के बाद लाल निशान पर बाजार बंद

■ *निफ्टी इंडेक्स लाल निशान के साथ 16200 के नीचे बंद हुआ। आज के ट्रेडिंग सेशन में 2096 शेयरों में खरीदारी दिखी जबकि 1326 शेयरों में बिकवाली का माहौल देखने को मिला है।*

नई दिल्ली। इस हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव के बाद लाल निशान पर बंद हुआ। सेंसेक्स में 86.61 (0.16 फीसदी) की गिरावट देखने को मिली और ये इंडेक्स 54,395.23 के लेवल पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 50 इंडेक्स में 21 अंकों की कमजोरी दिखी। निफ्टी इंडेक्स लाल निशान के साथ 16200 के नीचे बंद हुआ।

आज के ट्रेडिंग सेशन में 2096 शेयरों में खरीदारी दिखी जबकि 1326 शेयरों में बिकवाली का माहौल देखने को मिला है। 160 शेयरों में कोई बदलाव देखने को नहीं मिला। पहली तिमाही के नतीजे आने के बाद सोमवार को टीसीएस के शेयरों में 4.5त्न तक की कमी देखने को मिली वहीं, एयरटेल के शेयरों में भी कमजोरी दिखी। सोमवार के बाजार में आखिरी घंटे में बहुत उतार-चढ़ाव देखने को मिला। इस दौरान आईटी शेयर्स में भारी बिकवाली देखने को मिली है। सेंसेक्स में भारती एयरटेल, टीसीएस, एचसीएल टेक्नोलॉजी, इंफोसिस, विप्रो, टेक महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो और ऊर्जा सेक्टर के शेयरों में कमजोरी देखने को मिली है। टीसीएस के शेयरों में 4.64 प्रतिशत तक की गिरावट देखने को मिली है। यह गिरावट जून तिमाही में कंपनी के आंकड़े अपेक्षा के अनुरूप नहीं आने के कारण आई है।

वहीं दूसरी ओर टाटा स्टील, एमएंडएम, डॉ. रेड्डीज लैब, आईसीआईसीआई बैंक और एशियन पेंट्स के शेयरों में मजबूती दिखी है। बात अगर एशियाई बाजारों की करें तो शंघाई, हांगकांग और शिओल के बाजार लाल निशान पर बंद हुए हैं जबकि टोक्यो का बाजार हरे निशान में बंद हुआ है। यूरोपीय बाजारों में निवेशकों का मिलाजुला रुख देखने को मिल रहा है। आपको बता दें कि बीते शुक्रवार को अमेरिकी बाजार भी मिलेजुले रुख के बीच बंद हुए थे। वहीं, सोमवार को क्रूड ऑयल 1.48 प्रतिशत गिरकर 106.3 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है।

देश में केन्द्रीकृत डीआईएन लागू करने की याचिका पर SC ने केंद्र से जवाब मांगा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने डीआईएन से जुड़ी एक जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार को अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया है। आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट (प्रदीप गोयल) की ओर से इलेक्ट्रॉनिक तरीके से डीआईएन जारी करने की प्रक्रिया लागू करने की मांग करते हुए याचिका लगाई गई थी। याचिकाकर्ता की ओर से एडवोकेट चारू माथुर ने जस्टिस एमआर शाह और जस्टिज बीवी नागरत्ना की बेंच के सामने अपना पक्ष रखते हुए कहा था कि वर्तमान समय में देश में के सिर्फ दो राज्यों कर्नाटक और केरल में डीआईएन की एक व्यवस्था काम कर रही है। बाकी राज्यों में इसे अब भी अमल में लाया जाना बाकी है। याचिका में कोर्ट से गुहार लगाते हुए कहा गया कि

सभी राज्यों को डीआईएन सिस्टम को अमल में लाने का निर्देश दिया जाए साथ जीएसटी काउंसिल को भी इस संबंध में एक पॉलिशी डिसिजन लेने का निर्देश जारी किया ताकि सभी राज्य इसे अमल में ला सकें।

सोना 114 रुपये लुढ़का, चांदी में भी 136 रुपये की गिरावट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। सोमवार को सोना का भाव 114 रुपये टूटकर 50561 रुपये प्रति दस ग्राम पर आ गया है। इससे पिछले कारोबारी दिन सोना 50675 रुपये प्रति दास ग्राम की दर पर बंद हुआ था। वहीं चांदी की कीमतें भी 136 रुपये गिरकर 56760 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई है। रुपये की गिरावट दर्ज की गई है। इससे पिछले दिन सोने का भाव 56896 रुपये प्रति किग्रा था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के सीनियर एनालिस्ट (कोमोडिटीज) तपन पटेल के अनुसार दिल्ली में 24 कैरेट सोने के भाव में 114 रुपये प्रति दस ग्राम की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 1737 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस चांदी 19.17 डॉलर प्रति औंस की दर से कारोबार कर रहा है।

रुपया डॉलर के मुकाबले अपने नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचा

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में कमजोरी के बीच भारतीय रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। इस कारण वैश्विक बाजारों में उथल-पुथल के बीच भारतीय बाजारों में चिंता बनी हुई है। सोमवार को भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले 79.38 डॉलर पर ट्रेड कर रहा है। आपको बता दें कि बीते शुक्रवार को रुपया 79.25 दर पर कारोबार कर रहा था। इसे पहले रुपया ने अपना पिछला लाइफटाइम लो पिछले हफ्ते लगाया था जब यह टूटकर 79.3750 के स्तर पर पहुंच गया था। इस दौरान भारतीय शेयर बाजारों में भी 0.5 प्रतिशत की मंदी देखी जा रही है। देश में रुपये के लगातार गिरते दर से चिंता बढ़ती जा रही है। देश में अब इस पर राजनीतिक बयानबाजी भी शुरू हो गई है। विपक्षी दलों के लोग आरोप लगा रहे हैं कि प्रधानमंत्री पीएम बनने से पहले रुपये की गिरावट पर सरकार को घेरते थे पर अब जब वे खुद प्रधानमंत्री हैं तो रुपये की गिरावट पर कुछ नहीं बोल रहे हैं।

सरकार ले सकती है बड़ा

कर्मियों की न्यूनतम सैलरी 18 से बढ़कर हो जाएगी 26 हजार रुपये

नई दिल्ली। दुनियाभर के बाजारों में मंदी की आशंका और बेतहाशा महंगाई के बीच केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनधारियों के लिए एक राहत भरी खबर है। सरकार से जुड़े सूत्रों के मुताबिक केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते को सरकार पांच प्रतिशत तक बढ़ा सकती है। वर्तमान में केंद्र सरकार के कर्मचारियों को 34 फीसदी डीए मिलता है, अगर सरकार इसमें बढ़ोतरी का फैसला लेती है उन्हें मिलने वाली डीए की रकम 39 फीसदी तक हो जाएगी। खबरों के मुताबिक जल्द की केंद्र सरकार की ओर से इसकी आधिकारिक घोषणा की जा सकती है। जानकारों का मानना है कि सरकार डीए के साथ-साथ फिटमेंट फैक्टर में भी बढ़ोतरी कर सकती है। वर्तमान में इस मद में बेसिक सैलरी की 2.57 प्रतिशत राशि दी जाती है। इसे बढ़ाकर 3.68 प्रतिशत किया जा सकता है। लंबे समय से देश के कर्मचारी यूनियन इसे बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। अगर सरकार कर्मचारी संगठनों की मांग को मानते हुए इसे बढ़ाने का फैसला लेती है तो केंद्र सरकार के कर्मियो का न्यूनतम वेतन 18,000 रुपये से बढ़कर 26,000 रुपये हो जाएगा। आपको बता दें कि केंद्र सरकार ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स के आधार पर हर साल दो बार अपने कर्मियों का महंगाई भत्ता निर्धारित करती है। इसी साल जनवरी महीने में महंगाई भत्ते को बढ़ाकर 31 फीसदी से 34 फीसदी कर दिया गया था। सरकार से जुड़े सूत्र बताते हैं कि अब केंद्र सरकार इसे और 5 फीसदी तक बढ़ाने का फैसला ले सकती है।

डीए में इजाफा होने से सैलरी कितनी बढ़ेगी?

अगर सरकार पांच प्रतिशत डीए बढ़ाने का फैसला लेती है तो केंद्र सरकार के कर्मचारियों की सैलरी बढ़ जाएगी। अगर किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी 18000 रुपये है तो उसे वर्तमान में 34 फीसदी के हिसाब से 6120 रुपये महंगाई भत्ता का भुगतान किया जाता है। अगर सरकार महंगाई भत्ता पांच प्रतिशत तक बढ़ाने का फैसला लेती है तो उन्हें बेसिक वेतन का 39 प्रतिशत डीए के रूप में भुगतान किया जाएगा। ऐसे में 18000 के वेतन पर उन्हें डीए के रूप में अब 7020 रुपये मिलने लगेंगे। इस तरह से उन्हें वेतन मद में 900 रुपये ज्यादा मिलेंगे।

आवश्यकता

युवा प्रदेश नेटवर्क

मध्यप्रदेश के सभी जिले व तहसीलों में संवाददाता नियुक्त किये जाने है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।

▸▸युवा प्रदेश नेटवर्क,
प्रधान संपादक-नागेश नरवरिया
मो.- 9425156055-9755364204

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)